राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 मुझे लगता है कि इस समय भारत के पास यह .... | सम्पादकीय | आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता जरूरी | चीन ने भारत को जरूरी मशीनों की डिलीवरी रोकी 5

वर्ष 12 अंक 37 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

भारत लोकतंत्र की जननी है, यह हमारे लिए एक सिस्टम नहीं, बल्कि संस्कार है : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने घाना की संसद को संबोधित किया

आर.एन.एस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है। यह लोकतंत्र की भावना से भरी हुई धरती है। घाना पूरे अफ्रीका के लिए प्रेरणा का केंद्र है।

मोदी ने कहा, भारत लोकतंत्र की जननी है। यह हमारे लिए एक सिस्टम नहीं, बल्कि संस्कार है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत दुनिया के लिए शक्ति का स्तंभ है। एक मजबूत भारत एक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा।

पीएम मोदी ने कहा, घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा से कल नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से, मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

हमारी दोस्ती आपके मशहूर शुगर लोफ अनानास से भी मीठी है।

पीएम मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक विदेश यात्रा पर हैं। इस दौरान वे 5 देशों में जाएंगे। घाना उनका पहला पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को घाना का सर्वोच्च सम्मान द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना दिया गया था। दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते भी साइन किए।

घाना जी20 का स्थायी सदस्य बना। यह भारत की प्रेसीडेंसी में मुमकिन हुआ। भारत की फिलॉसिफी ह्यूमैनिटी फर्स्ट है। हम सभी के खुश रहने में यकीन रखते हैं। हमें घाना में एक ऐसा देश दिखाई देता है, जो साहस के साथ हर चुनौती का बहादुरी से सामना करता है।

भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, मूलभूत मूल्यों का हिस्सा है। भारत में 2,500 से ज्यादा राजनीतिक दल, अलग-अलग राज्यों में 20 अलग-अलग पार्टियों की सरकारें, 22 आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं। हम एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अफ्रीका के डेवलपमेंट फ्रेमवर्क का समर्थन करते हैं। साथ मिलकर, हम वादों और तरक्की से भरे भविष्य को आकार देंगे। 2 जुलाई को सर्वोच्च सम्मान मिलने के बाद पीएम मोदी ने कहा था, घाना से सम्मानित होना मेरे के लिए गर्व की बात है। इससे पहले उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा के साथ जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया। मोदी ने कहा कि भारत और घाना आतंकवाद को मानवता का दुश्मन मानते हैं और इसके खिलाफ मिलकर काम करेंगे।

युवा पीढ़ी को आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य स्तरीय महिला मॉक पार्लियामेंट को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में माता-बहनों को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास जारी हैं। आज नरसिंहपुर जिले में एसपी और कलेक्टर दोनों पद महिला अधिकारियों के पास हैं। शहडोल संभाग की संभागायुक्त भी महिला ही हैं। प्रदेश की मुख्य सचिव भी महिला अधिकारी रह चुकी हैं। महिला सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार विशेष रूप से संवेदनशील है, मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने दुष्कर्म के मामलों में सबसे पहले फांसी का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय महिला मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीपुल्स यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हुए

कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, राज्यसभा सांसद श्री माया नारोलिया, विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, श्री हितानंद शर्मा सहित जनप्रतिनिधि तथा प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीसाबंदी श्री तपन भौमिक का तुलसी पौधा एवं अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभागियों से आपातकाल संबंधित विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिला मॉक पार्लियामेंट एक वैचारिक मंच है। संविधान की भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों की हर स्थिति में रक्षा करना सभी नागरिकों का दायित्व है। देश और हम सभी के व्यक्तित्व विकास में इन दोनों बिन्दुओं का महत्वपूर्ण स्थान है। मॉक पार्लियामेंट जैसी पहल से युवाओं में देश की राजनीतिक व्यवस्था की समझ विकसित होती है। युवा पीढ़ी को 50 साल पहले के आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए दिए गए योगदान का स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, धारा 370, तीन तलाक, आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ हुई सैन्य कार्यवाहियों, संविधान संशोधनों और राजनैतिक मंशा के औचित्य आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

उत्तराखंड : तेज बारिश के चलते चारधाम यात्रा रोकी गई

आर.एन.एस

नई दिल्ली। उत्तराखंड में तेज बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। ष्टरूपुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित होगा, तभी आगे यात्रा शुरू की जाएगी।उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर बुधवार रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड हुई और रास्ता बंद हो गया। इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए। स्ष्ठक्रस्न की टीम मौके पर पहुंची

और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

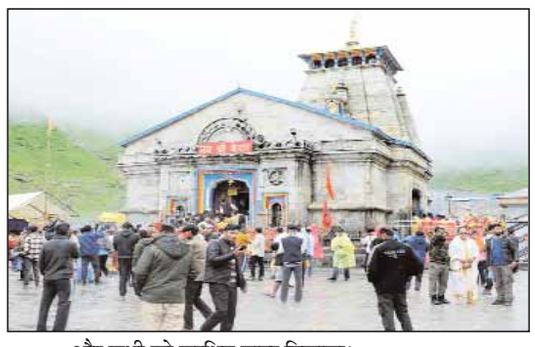

मौसम विभाग ने आज राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में पिछले 4 दिन से बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भारी बारिश के बाद अजमेर शरीफ दरगाह परिसर में 2 फीट पानी भर गया।

वहीं, भारी बारिश के दौरान दरगाह परिसर में बने बरामदे की छत का एक हिस्सा भी ढह गया। हालांकि, इस दौरान किसी को चोट नहीं आई। दरगाह कमेटी ने उस हिस्से में लोगो की आवाजाही बंद कर दी है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। अब भी 29 लोग लापता हैं। गुरुवार को 2 और शव मिले। खराब मौसम के चलते राहत कार्य में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि मौसम विभाग ने कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए अंतरित करेंगे राशि

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में 235 करोड़ रुपये की होगी राशि अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार

रुपये की राशि दी जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले वर्ष 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण के भोपाल में होने वाले राज्यस्तरीय आयोजन का जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रम में सीधे प्रसारण करवाने की व्यवस्था भी की गई है। जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रम में मंत्रिगण, जिला पंचायत अध्यक्ष और जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे मंत्रीगण

जिला मुख्यालयों पर होने वाली प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण समारोह में मंत्रीगण शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा देवास, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शहडोल, मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सिवनी, श्री संपतिया उइके सिंगरौली, श्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर, श्री एंदल सिंह कंषाना दतिया, सुश्री निर्मला भूरिया मंदसौर, श्री गोविंद सिंह राजपूत गुना, श्री विश्वास सारंग हरदा, श्री नारायण सिंह कुशवाह शाजापुर, श्री नागर सिंह चौहान आगर-मालवा, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, श्री राकेश शुक्ला अशोकनगर, श्री चेतन्य कुमार काश्यप राजगढ़, श्री इंदर सिंह परमार दमोह, श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी खंडवा, श्री दिलीप जायसवाल सीधी, श्री गौतम टेटवाल उज्जैन, श्री लखन पटेल विदिशा, श्री नारायण सिंह पंवार रायसेन, श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल, श्रीमती प्रतिमा बागरी डिंडोरी, श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर, श्रीमती राधा सिंह मैहर से कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में सांसद श्री गणेश सिंह सतना, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े सागर, श्री सुधीर गुप्ता नीमच, श्री शंकर लालवानी इंदौर, श्री गजेन्द्र पटेल बड़वानी, श्री ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर, श्री शिवमंगल सिंह तोमर मुरैना, श्री दर्शन सिंह चौधरी नर्मदापुरम, श्रीमती संध्या राय भिंड, श्री आशीष कुमार दुबे जबलपुर, श्री जनार्दन मिश्रा रीवा में शामिल होंगे।

मेडिकल कॉलेज को इसी सत्र से शुरू कराने के प्रयास करेंगे : विस अध्यक्ष तोमर

विधानसभा अध्यक्ष ने किया नागदा स्थित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

श्योपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने नागदा स्थित मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान कहा कि इसी सत्र से श्योपुर में नव निर्मित मेडिकल कॉलेज के शुरू कराने के प्रयास किये जायेगे, इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही है तथा एनएमसी से मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। मेडिकल कॉलेज में फेकल्टी की नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है तथा कुछ फेकल्टी द्वारा ज्वाइन कर लिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष आज अपने श्योपुर प्रवास के दौरान नागदा में निर्मित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा, पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ अनिल अग्रवाल, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय एवं बृजराज सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया एवं कैलाश

नारायण गुप्ता, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट एवं अशोक गर्ग, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष ओम राठौर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल, गिर्राज चौधरी, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोनू सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने इस दौरान मेडिकल कॉलेज के अकादमिक, मेडिकल, प्रशासनिक भवनो का अवलोकन करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मेडिकल कॉलेज शुरू करने एवं एनएमसी की गाइडलाइन अनुसार मेडिकल उपकरण तथा फर्नीचर आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। नोडल अधिकारी डॉ अंजना निरंजन ने बताया है कि मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए एनएमसी की टीम द्वारा हाल ही में वर्चुअली निरीक्षण कर लिया गया है तथा मान्यता की प्रक्रिया चल रही है। इसके उपरांत माननीय विधानसभा अध्यक्ष तोमर द्वारा पीडब्ल्यूडी रेस्टहाउस में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की उपस्थिति में मेडिकल कॉलेज के डीन एवं अन्य प्रशासनिक स्टॉफ की बैठक लेकर कॉलेज में फैकल्टी पर्याप्त उपलब्धता तथा फर्नीचर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जायें। इसके साथ ही उन्होने मेडिकल कॉलेज एप्रोच रोड को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

अमरनाथ में पहली आरती हुई, जम्मू से दूसरा जत्था रवाना

अब तक 3.5 लाख श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन

आर.एन.एस

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। गुरुवार सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई। वहीं, पहला जत्था बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान श्रद्धालु %हर-हर महादेव% और %बम-बम भोले% के जयकारे लगाते रहे। पहले जत्थे में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे भी तीर्थयात्रियों के साथ शामिल थीं।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5,200 से

अधिक तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था गुरुवार को जम्मू के आधार शिविर से रवाना हुआ, जो दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। दूसरे जत्थे को सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना किया जाएगा।

बुधवार को 5,892 श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को जम्मू के भगवती नगर कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

नेतृत्व के पथ-प्रदर्शन से मुझे ऊर्जा मिली

वरिष्ठ नेताओं व देवतुल्य कार्यकर्ताओं के सहयोग,समर्पण को समर्पित मेरी उपलब्धियां

-राकेश शिवहरे-

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में पाँच वर्ष तक संगठन की सेवा का सुअवसर प्रदान करने व मार्गदर्शन के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उक्ताशय के विचार भाजपा म.प्र. के निवर्तमान अध्यक्ष व्ही.डी. शर्मा ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल के सतत् पथ-प्रदर्शन से मुझे संगठन कार्यों को नई ऊँचाई प्रदान करने के लिए नई ऊर्जा मिलती रही। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के मार्गदर्शन और सहयोग से संगठन ने कई ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

मध्य प्रदेश में बूथों का डिजिटलाइजेशन हो या सदस्यता अभियान या फिर समर्पण निधि का संचय हो, हमारे संगठन तंत्र की सक्रियता, साथी जनप्रतिनिधियों के सहयोग और बूथ-बूथ पर देवतुल्य कार्यकर्ताओं के समर्पण से

बीते पाँच वर्षों में भाजपा संगठन ने कई अभूतपूर्व उपलब्धियों को हासिल किया है। चाहे 28 विधानसभा उपचुनाव हो, पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव हो, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव हो, शीर्ष नेतृत्व की कुशल रणनीति, संगठनतंत्र की मजबूती, डबल इंजन सरकार की नीति और हमारे समर्पित बूथ कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भाजपा ने विजय की ऐतिहासिक पताका फहराई है।

श्री शर्मा ने अपनी चिर परिचित शैली में सभी उपलब्धियों का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि पाँच वर्षों में मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में केन्द्र एवं मध्य प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं का सहज मार्गदर्शन समेत देवतुल्य सभी कार्यकर्ता साथियों का अपार स्नेह और सहयोग प्राप्त हुआ। आप सभी का कोटिशः आभार एवं धन्यवाद।

आज वरिष्ठ नेता हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में संगठन का ध्वज संभाला है। हम सभी कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश संगठन के विस्तार को नई गति देने और घर-घर भाजपामय बनाने के लिए संकल्पित हैं। नव नियुक्त अध्यक्ष हेमंत जी को भी उन्होंने बधाई एवं शुभकामनाएं।

जो हमारी कल्पना से परे है, पर हमारे हृदय के समीप है अर्थात् वही अद्वितीय ब्रह्म है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - मुण्डकोपनिषद् के इस गूढ़ मंत्र में उपनिषद् के ऋषि हमें सृष्टि के उस अद्वितीय सत्य के दर्शन कराते हैं, जो हमारी कल्पना से परे है, पर हमारे हृदय के समीप है। अर्थात् वही अद्वितीय ब्रह्म है, जिससे समुद्र, पर्वत, नदियाँ; सृष्टि के अनन्त रूप उत्पन्न होते हैं। उसी से उत्पन्न होती हैं - औषधियाँ, रस, और वही अन्तरात्मा है, जो समस्त प्राणियों के भीतर स्थित है।

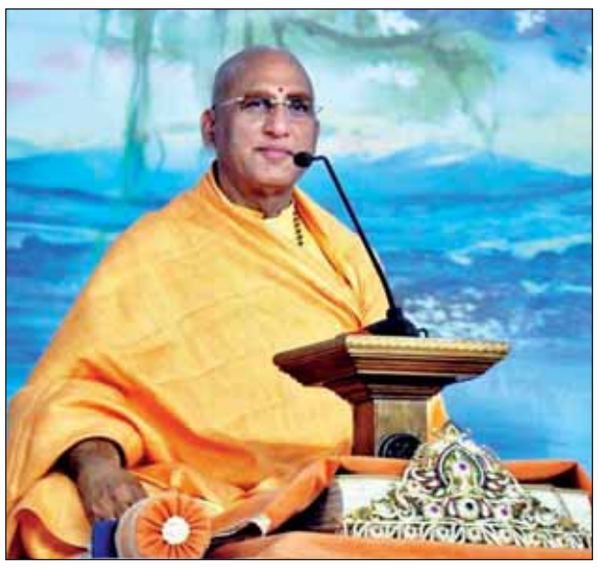

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि- भगवद्पादाचार्य आद्य शंकराचार्य अपने भाष्य में इस मंत्र के गूढ़ अर्थ को उजागर करते हैं- कहते हैं कि उपनिषद् यहाँ सृष्टि के हर एक आयाम में उस एकमात्र सत-तत्त्व की सत्ता दिखा रहा है। समुद्र से लेकर पर्वतों तक, नदियों से लेकर औषधियों के रस तक – सृष्टि के रंगमंच पर विविध रूप जिनका सृजन और संहार होता है, उस

एक ही चेतना से अंकुरित होते हैं। स्वामी जी ने कहा कि - सबसे सुन्दर इस मंत्र में है - इसका अंतिम उपदेश ''येनेष भूतैस्तिष्ठते ह्यन्तरात्मा,'' वही अद्वितीय ब्रह्म प्रत्येक प्राणी के भीतर अन्तरात्मा रूप से स्थित है। आद्य शंकराचार्य स्पष्ट करते हैं कि जिस चेतना से यह विशाल सृष्टि साकार होती है, वही हृदयगुहा में दीपक के समान प्रज्वलित है - नित्य, निर्विकार, अविनाशी। स्वामी जी ने कहा कि- इस उपनिषद् मंत्र में अद्वैत वेदान्त का मूल सन्देश गूँजता है - ''एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति'' सत्य एक है, ज्ञानी उसे अनेक रूपों में देखते हैं। इस दृश्य जगत में जितना विस्तार है, उतना ही गहरा है, भीतर स्थित साक्षी। सृष्टि का प्रत्येक रूप उसी अद्वितीय सत्ता से उपजा है, प्रत्येक रस उसी के अमृत से सिंचित है, प्रत्येक चेतना उसी से प्रकाशित है। अन्त में इस मंत्र के सन्देश में उपनिषद्कार हमें उस एकत्वबोध की ओर बुलाते हैं, जहाँ समुद्र, पर्वत, औषधि, रस- सब केवल बाहरी अभिव्यक्तियाँ हैं। उनका मूल कारण वही अन्तरात्मा है, वही सत्यम्, वही शिवम्, वही सुन्दरम् है । इस उपदेश में वेदान्त का सार निहित है – ''अयमात्मा ब्रह्म'' यह आत्मा ही ब्रह्म है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने लॉन्च किया "इंटरनेशनल रुपे सिलेक्ट डेबिट कार्ड"

डिजिटली जुड़े ग्राहकों के लिए ग्लोबल बैंकिंग के साथ प्रीमियम सुविधाएँ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपना पहला वैश्विक भुगतान साधन, इंटरनेशनल रुपे सिलेक्ट डेबिट कार्ड लॉन्च किया है। यह कदम बैंक के आधुनिक, समावेशी और वैश्विक रूप से सुलभ बैंकिंग समाधान प्रदान करने के उद्देश्य का हिस्सा है।

यह कार्ड रुपे-डिस्कवर नेटवर्क के सहयोग से एटीएम, पीओएस टर्मिनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ग्लोबल स्तर पर स्वीकार किया जाता है, जो इसे अक्सर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करने वाले लोगों और उन ग्राहकों के लिए आदर्श बनाता है, जो अपनी बैंकिंग जरूरतों को ऑनलाइन पूरा करना चाहते हैं। एनपीसीआई द्वारा जारी इस डेबिट कार्ड में कई प्रीमियम सुविधाएँ शामिल हैं। इसमें प्रत्येक तिमाही में दो बार देश के हवाई अड्डों पर लाउंज में निःशुल्क प्रवेश और साल में एक बार अंतर्राष्ट्रीय लाउंज का निःशुल्क उपयोग शामिल है। साथ ही, इसमें 10 लाख रुपए का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और स्थायी विकलांगता कवर प्रदान किया जाता है। कार्डधारक हर तिमाही में एक निःशुल्क गोल्फ सत्र, एक वेलनेस सेवा, कैब सेवा प्रदाताओं की ओर से एक यात्रा कूपन और वर्ष में एक बार एक प्रीमियम हेल्थ चेकअप का लाभ भी उठा सकते हैं। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपातकालीन नकद सहायता, देशभर में चौबीसों घंटे कंसीयज सेवाएँ, अधिक लेनदेन सीमा और संपर्क रहित भुगतान जैसी सुविधाएँ भी इस कार्ड के साथ मिलती हैं। इंटरनेशनल रुपे सिलेक्ट डेबिट कार्ड के लॉन्च के अवसर पर उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के रिटेल लाइबिलिटीज- टीएएससी एवं टीपीपी प्रमुख, श्री हितेन्द्र झा ने कहा, इंटरनेशनल रुपे सिलेक्ट डेबिट कार्ड ग्राहकों को एक सहज और सुरक्षित वैश्विक बैंकिंग अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उज्जीवन बैंक हमेशा से डिजिटल-फर्स्ट समाधान देने का प्रयास करता रहा है, जो सुविधा के साथ-साथ वित्तीय समावेशन को भी प्राथमिकता देते हैं। यह कार्ड तकनीक से जुड़े, यात्रा के लिए तैयार और उन्नत जीवनशैली की अपेक्षा रखने वाले ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह वैश्विक स्तर पर ग्राहकों को सुविधाएँ प्रदान करेगा।

इस लॉन्च के साथ उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक मजबूत और समृद्ध उत्पाद श्रृंखला तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें सुविधा, सुरक्षा और प्रीमियम जीवनशैली का अनुभव शामिल है।

मुख्य विशेषताएँ और लाभ

- प्रत्येक तिमाही में दो बार निःशुल्क घरेलू हवाई अड्डा लाउंज में प्रवेश
- प्रति वर्ष एक बार निःशुल्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लाउंज में प्रवेश
- दस लाख रुपए तक का व्यक्तिगत दुर्घटना तथा स्थायी पूर्ण विकलांगता का बीमा सुरक्षा कवच
- प्रत्येक तिमाही में एक निःशुल्क गोल्फ अभ्यास सत्र
- प्रत्येक तिमाही में एक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा (वेलनेस सेवा)
- प्रति वर्ष एक बार निःशुल्क प्रीमियम स्वास्थ्य जाँच
- प्रत्येक तिमाही में एक बार टैक्सी सेवा प्रदाताओं से निःशुल्क यात्रा कूपन
- विदेश यात्रा के दौरान आपात स्थिति में नकद सहायता की सुविधा
- भारत में चौबीसों घंटे ग्राहक सेवा सहायता (कंसीयज सेवा)
- विशेष व्यापारिक छूट और लाभ
- अधिक लेन-देन सीमा
- स्पर्श रहित भुगतान की सुविधा

अस्वीकरण: इंटरनेशनल रुपे सिलेक्ट डेबिट कार्ड की सभी सुविधाएँ और लाभ एनपीसीआई द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जो समय-समय पर आरबीआई और एनपीसीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार परिवर्तनीय हैं।

संचय करना ही है तो धन का नहीं, पुण्य का करो: मुनिश्री विलोकसागर

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का हुआ शुभारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सांसारिक प्राणी मोह माया के चक्कर में अपना पूरा जीवन व्यर्थ ही बर्बाद कर देता है। वह धन का संचय तो करता है लेकिन पुण्य का संचय नहीं करता।

धन केवल आपको इस भव में सांसारिक सुख तो दे सकता है लेकिन पुण्य आपको मन की शांति और अपार वैभव देता है ।हम सभी जीवन की वास्तविकता को जानकर भी गलतफहमी में जी रहे है। सारी जिंदगी सपनों की दुनिया में जीते हुए जो कुछ हम जुटाते हैं वो सब यही धरा रह जाना है। चक्रवर्ती सम्राटों के पास अपार वैभव था, लेकिन जब उन्हें वैराग्य हुआ तो सारा वैभव उन्होंने एक क्षण में त्याग दिया। हम और आप मोह माया में पढ़े हुए हैं। आपका मस्तिष्क व्यवस्थित है तो आपको सारा संसार व्यवस्थित लगेगा। ज्ञान की बातें हम सब स्वीकार करते हैं पर उसे अंगीकार नहीं करते। जीवन की वास्तविकता को यदि हम श्रद्धा से स्वीकार करले, धर्म के सिद्धांतों को अंगीकार कर लें तो परिणति ही बदल जाएगी। हम सब को पता है कि अंतिम समय आने पर हम सबकुछ छोड़कर जाना है, कुछ भी साथ ले कर नहीं जाएंगे । फिर भी हम दिन रात कुछ न कुछ जोड़ने में ही लगे रहते है। बच्चों को उनके पाप पुण्य के अनुसार जो होगा वहीं मिलेगा, हमारा उनके लिए जोड़ना कुछ काम नहीं आएगा ।आप धन का कितना भी संचय कर लें, लेकिन जब इस संसार से बिदा होने का समय आएगा तब सब यहीं रखा रह जाएगा, केवल आपके अच्छे बुरे कर्म ही साथ जायेंगे। हे भव्य प्राणी अपनी इस चंचला लक्ष्मी का उपयोग अच्छे कार्यों में करो, प्रभु की भक्ति करो, ताकि पुण्य का संचय हो और आपका परलोक भी सुधरेगा । उक्त उद्गार मुनिश्री विलोकसागर महाराज ने बड़े जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आज श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का 08 दिवसीय आयोजन का शुभारंभ हुआ । प्रातः पूज्य युगल मुनिराजों के पावन सान्निध्य में श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया । प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी संजय भैयाजी (मुरैना वाले) ने मंडप, विधान माढ़ना, पांडाल एवं सभी पात्रों की शुद्धि का कार्यक्रम मंत्रोचारण के साथ संपन्न कराया । 3 जुलाई से 10 जुलाई तक निरंतर आठ दिन सिद्धों की पूजा भक्ति करते हुए अर्घ समर्पित किए जायेंगे।

श्रीराम कथा से मिलता है परम सुख: शास्त्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। द्वितीय दिवस की कथा में महाराजश्री संजय कृष्ण शास्त्री ने अपनी वाणी से सती चरित्र का वर्णन किया। एक बार त्रेता युग माही। शंभु गये कुम्भज रिषि पाही.।।, राम कथा मुनिवर्ज बखानी। सुनी महेश परम सुख मानी ।। भगवान शिव माता सती के साथ अगस्त्य ऋषि के पास जाकर राम कथा सुनी एवं परम सुख का अनुभव किया, किन्तु माता सती ने कथा नहीं सुनी और जब भोले नाथ जी कथा सुनकर ऋषि को भगवान की भक्ति प्रदान करके माता सती के साथ जाने लगे। उसी समय उन्होंने आकाश मार्ग से अपने प्रभु श्री राम को सच्चिदानंद कहकर प्रणाम किया। उस

समय प्रभु श्रीराम माता जानकी के विरह में व्याकुल होकर वन वन खोजते हुए पशु पक्षी हिरण भौरों कि कतारों से पूछते हुए जा रहे थे। उसी समय भगवान भोलेनाथ ने प्रभु श्रीराम को सच्चिदानंद कहकर प्रणाम किया। माता सती ने संशय किया, बोलीं यह ब्रह्म नहीं हो सकते, जो नारी के विरह में एक साधारण मानव की भाँति व्याकुल होकर भटक रहे हैं। माता ने परिक्षा लेने लिए माता सीता का स्वरूप धारण किया तो प्रभु ने उनको पहचान लिया। प्रणाम करके कहा- बोले इस वन में अकेली केसे घूम रही हो भोलेनाथ जी कहा है, तब मैया सती का भ्रम टूट गया। जब भोले नाथ जी को पता चला तो उन्होंने माता सती का त्याग कर दिया एवं विस्तार पूर्वक कथा का वाचन किया। और शिव पार्वती विवाह उत्सव सभी ने धूम धाम से मनाया।

9.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

श्योपुर। श्योपुर जिले में 03 जुलाई को 9.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक 03 जुलाई को श्योपुर में 9, बडौदा में 4, कराहल में 36 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष दिनांक 01 जून 2025 से अभी तक जिले में कुल 361.46 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक 88.26 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत की वर्षा 822 मिली मीटर है।

टाउन हॉल में व्यापारियों के साथ नपाध्यक्ष माहेश्वरी ने ली बैठक

व्यापारियों ने नगर की कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए माहेश्वरी को अवगत कराया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर पालिका के टाउन हॉल में नगर पालिका अध्यक्ष एवं जौरा शहर के सभी थोक एवं खेरिज व्यापारी एकत्रित हुए और नगर पालिका अध्यक्ष के साथ बैठक हुई। बैठक में सभी व्यापारी भयभीत नजर आ रहे थे। उन्होंने अपनी व्यथा सुनाने के लिए यह बैठक बुलाई थी। व्यापारियों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि जौरा शहर में आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से जौरा शहर के सभी व्यापारियों में भय व्याप्त है। हाल ही में जौरा शहर से लगी हुई ग्राम पंचायत अलापुर के सरपंच के घर में ही लूट डकैती की घटना से भी व्यापारियों में आक्रोश बढ़ गया है। शहर के व्यापारीगण लगातार इस तरह की घटनाओं से भयभीत हो गए हैं, इसलिए उन्होंने जौरा नगर पालिका अध्यक्ष के साथ बैठक आयोजित की। इस बैठक में सभी ने उक्त बैठक में उपस्थित नपाध्यक्ष श्री माहेश्वरी को चोरी, डकैती की घटनाओं के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि वे शासन व पुलिस प्रशासन के समक्ष उनकी इस गंभीर समस्या को रखें तथा नगर की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु सरकार व पुलिस प्रशासन से मुलाकात कर व्यापारियों को इस तरह की घटनाओं से निजात दिलाने की पहल करें। नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों को पूरा भरोसा दिलाया कि मैं आप सभी के सहयोग सरकार व पुलिस प्रशासन से मुलाकात कर नगरवासियों की इस गंभीर समस्या से अवगत कराऊंगा। आप को किसी भी तरह से भयभीत या चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

अध्यक्ष माहेश्वरी ने पुलिस प्रशासन से अपील करते हुए कहा है कि पुलिस प्रशासन चोरियों व डकैती को जल्द से जल्द ट्रेस करने की कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वे व्यापारीगण के साथ मिलकर एसडीओपी जौरा को आवेदन प्रस्तुत करेंगे अगर इसके बाद भी कार्यवाही नहीं होती है तो वे पुलिस अधीक्षक महोदय को भी आवेदन देंगे। उन्होंने घोषणा भी की कि वे जल्दी ही शहर के मुख्य स्थानों व चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने का भी कार्य करेंगे। बैठक में उपस्थित समस्त व्यापारियों ने अध्यक्ष माहेश्वरी की घोषणा व उनकी भावनाओं का स्वागत करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्हें उनके नेतृत्व पर पूर्ण भरोसा है निश्चित रूप से आप हमें गंभीर समस्याओं से निजात दिलाने का काम करेंगे।

संदीप अग्रवाल बने व्यापार मंडल के अध्यक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर के युवा व्यवसाय संदीप अग्रवाल को व्यापार मंडल का नवीन अध्यक्ष चुना गया है। नगर पालिका के टाउन हॉल में नगर पालिका अध्यक्ष अखिल राजू माहेश्वरी की उपस्थिति में आयोजित व्यापार मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से युवा सक्रिय व्यापारी संदीप अग्रवाल को व्यापार मंडल का नया अध्यक्ष चुना गया है। इसी क्रम में शिवदीप शर्मा को उपाध्यक्ष, राजू बदरपुर वालों को महामंत्री एवं गिरिराज बंसल शक्कर वाले को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया है। व्यापार मंडल का अध्यक्ष बनने के बाद संदीप अग्रवाल का कहना है कि मुझे जिस विश्वास और उम्मीद के साथ सभी व्यापारी भाइयों ने अध्यक्ष की जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं पूरी मेहनत और सभी व्यापारी के भाइयों की सहयोग से निभाने का प्रयास करूंगा।

'आमि डाकिनी' में मीरा के किरदार के लिए अपने जीवन से प्रेरणा लेती हैं राची शर्मा

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'आमि डाकिनी' दर्शकों का गहराई से भरी भावनाओं और परतदार कहानी की दुनिया में लगातार खींच रहा है। कोलकाता की पृष्ठभूमि पर रचे इस धारावाहिक में हर किरदार अपने भीतर प्यार, क्षति और अनकहे सच का बोझ लिए हुए है, जहाँ हुस्न भी है, मौत भी। इसी कहानी के केंद्र में हैं मीरा घोष, जिनका किरदार निभा रही हैं प्रतिभाशाली अभिनेत्री राची शर्मा। मीरा सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि अपने परिवार की भावनात्मक रीढ़ हैं। एक ऐसी महिला, जो कर्तव्य और प्रेम के बीच संतुलन साधे हुए हैं।

राची शर्मा बताती हैं कि वह मीरा के सफर से कितनी गहराई से जुड़ी हुई

हैं। उन्होंने कहा, 'मीरा घोष बहुत बहादुर है, लेकिन उतनी ही भावुक भी। बहुत कम उम्र से ही वह अपने परिवार की ताकत बन गई, खासकर तब से जब उन्होंने बचपन में ही अपनी माँ को खो दिया। यही वजह है कि उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से 'मीरा माँ' कहती है, क्योंकि मीरा ने माँ की भूमिका निभाई और अपनी बहन की परवरिश की। वह अपनी बहन की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती है और उसमें एक अटूट 'कभी हार न मानने' वाला जज़्बा है। उसकी यह बात मुझसे बहुत मेल खाती है। मेरे पास एक छोटा भाई है, और मीरा की एक छोटी बहन। भाई-बहन का यह रिश्ता मेरे दिल के बहुत करीब है।'मीरा के किरदार के माध्यम से राची शो में एक मजबूत और सच्ची भावनात्मक गहराई लेकर आती हैं, जो कहानी को एक सजीव और आत्मीय आधार देती है। जब शो हुस्न और परिणाम के बीच की महीन रेखा को छूता है, तब राची की परफॉर्मेंस उन सभी के दिल को छू जाती है, जिन्होंने अपनों के लिए लड़ना सीखा है।

देखिए 'आमि डाकिनी', हर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनीलिव पर

बेशक मेरा बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन माँ के जज़्बात कभी फीके नहीं पड़ते: पद्मिनी कोल्हापुरे ने "चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान" में रानी माँ की भूमिका और अपनी असल ज़िंदगी के अनुभवों को बताया एक जैसा

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का ऐतिहासिक धारावाहिक 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' अपने शानदार प्रस्तुतीकरण और प्रभावशाली कहानी के जरिए लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। यह शो भारत के महान बाल सम्राटों में से एक की प्रारंभिक यात्रा को भव्यता, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई से प्रस्तुत करता है, साथ ही उन शक्तिशाली महिलाओं की भूमिका को भी उजागर करता है, जिन्होंने सम्राट के व्यक्तित्व को आकार दिया। इन्हीं में से एक प्रभावशाली किरदार है राजमाता का, जिसे पर्दे पर जीवंत कर रही हैं प्रख्यात अभिनेत्री और कालजयी कलाकार पद्मिनी कोल्हापुरे। उनकी मजबूती, गरिमा और निःस्वार्थ मार्गदर्शन युवा सम्राट के व्यक्तित्व के निर्माण की रीढ़ बनते हैं। अपने अभिनय कौशल के लिए प्रसिद्ध पद्मिनी कोल्हापुरे ने 'राजमाता' के किरदार को न सिर्फ एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक माँ के रूप में भी गहराई

और आत्मा के साथ निभाया है। यह भूमिका उनके लिए बेहद व्यक्तिगत अनुभव बन गई, जिसने उनके मातृत्व की यादों को फिर से जीवंत कर दिया। राजमाता के रूप में उनकी निःस्वार्थ शक्ति, मूक बलिदान और सुरक्षात्मक भावनाएँ उन्हें एक बार फिर माँ होने के गहन क्षणों की ओर लौटा ले गईं। पर्दे पर राजमाता और राजा के बीच का रिश्ता, यह एहसास कराते हुए कई बार उनके अपने बेटे के साथ संबंध की झलक देता है कि चाहे कोई शाही हो या सामान्य, मातृत्व हमेशा निःस्वार्थ प्रेम और शांत सहनशीलता पर ही टिका होता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए, पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, 'राजमाता की भूमिका निभाना मेरे लिए एक बेहद भावनात्मक और समृद्ध अनुभव रहा है। एक माँ जो साथ ही एक रानी भी है, यह संतुलन अपने आप में अत्यंत शक्तिशाली होता है। जब मैं राजमाता बनकर पर्दे पर साँस लेती हूँ, तो खुद-ब-खुद अपनी असल ज़िंदगी से जुड़ाव महसूस करने लगती हूँ। एक माँ की सुरक्षा भावना, उसका गहरा प्रेम और उसके त्याग, आप समझने लगते हैं कि ये भावनाएँ कितनी सार्वभौमिक और कालातीत हैं। भले ही मेरा बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन मातृत्व की भावनाएँ कभी खत्म नहीं होतीं। वे बस विकसित होती हैं। इस भूमिका ने मुझे मेरे अपने मातृत्व के उन शुरुआती दिनों की याद दिला दी, जब हम बच्चों को दिशा देते हैं, उन्हें सँवारते हैं, कभी चिंतित होते हैं, लेकिन हमेशा प्यार करते हैं। इस किरदार ने मुझे मेरी अपनी यात्रा से नए सिरे से जोड़ा है। राजमाता की ताकत उसकी कोमलता में है और मुझे लगता है कि हर माँ इससे जुड़ाव महसूस कर सकती है।'

देखिए 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' हर सोमवार से शुक्रवार, शाम 7:30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनीलिव पर

वर्ल्ड चॉकलेट डे: सोनी सब के कलाकारों ने शेयर की अपनी चॉकलेट से जुड़ी मीठी यादें और इससे बचपन का प्यार

मुंबई। चॉकलेट में कुछ तो जादू है – यह सुकून देती है, यादों से जुड़ी होती है और हमें जिंदगी के सबसे खुशहाल पलों की याद दिलाती है। कई लोगों के लिए यह एक खराब दिन की सबसे प्यारी दवा है। वर्ल्ड चॉकलेट डे के मौके पर सोनी सब के कलाकार – आशी सिंह, करूणा पांडे, सायली सालुंखे, आदित्य रेडिज और परिवा प्रणति – चॉकलेट से जुड़ी अपनी प्यारी यादें साझा कर रहे हैं और बता रहे हैं कि जब चॉकलेट खाने का मन करता है तो वे किस मिठाई को चुनते हैं।

'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह ने कहा, 'चॉकलेट मेरी हमेशा से कमजोरी रही है! बचपन में मैं रात में चोरी-छुपे फ्रिज खोलकर जो भी चॉकलेट मिलती थी, खा लिया करती थी। सच कहूं तो आज भी मेरी ये आदत बहुत बदली नहीं है! अब भी जब मैं छोटे-छोटे चॉकलेट के पैकेट लेकर बैठती हूं, उन्हें एक-एक करके खाती हूं, रंग चुनती हूं, और अंदर का चॉकलेट एंजॉय करती हूं – लेयर बाय लेयर। अगर मुझे पसंदीदा चुनना हो, तो वो होगा गरम चॉकलेट लावा केक, साथ में वनीला आइसक्रीम – ये कॉम्बिनेशन एकदम स्वर्गिक आनंद देता है। शूटिंग के व्यस्त दिनों में सिर्फ एक छोटा सा चॉकलेट क्यूब भी मेरा मूड और एनर्जी तुरंत बढ़ा देता है।'

'वीर हनुमान' में अंजनी माता की भूमिका निभा रहीं सायली सालुंखे ने कहा, 'मुझे मीठा बहुत पसंद है, और चॉकलेट ब्राउनी मुझे सबसे अधिक पसंद है। बचपन में जब भी मैं परीक्षा में अच्छे नंबर लाती थी, मेरी मां मुझे चॉकलेट मिल्कशेक देती थीं – और आज भी वो परंपरा जारी है! अब भी जब मैं खुद को कोई इनाम देना चाहती हूं, तो या तो एक रिच, गूई चॉकलेट ब्राउनी खा लेती हूं या दोपहर के खाने के बाद डार्क चॉकलेट की एक सिंपल सी बार। इसका थोड़ा कड़वा और थोड़ा मीठा स्वाद मुझे बहुत सुकून देता है। ये मेरी खुद की बनाई एक खूबसूरत परंपरा बन गई है – व्यस्त दिन में खुद को देने वाला छोटा सा ट्रीट।'

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, 'मेरे लिए चॉकलेट हमेशा से खुशियों का प्रतीक रही है। मुझे याद है कि बचपन में जब पापा चॉकलेट लाते थे, तो उन्हें खोलकर अपने कज़िन्स के साथ शेयर करना बहुत अच्छा लगता था। आज भी जब मैं चॉकलेट खाती हूं, तो सीधे

बचपन की यादों में लौट जाती हूं। अब जब देर रात रिहर्सल या लंबी शूट चल रही होती है, तो मैं अपने बैग में डार्क चॉकलेट की एक बार जरूर रखती हूं। यह थोड़ा हेल्दी भी है और मुझे तुरंत एनर्जी भी देता है। वैसे तो मुझे ज़्यादा मीठा पसंद नहीं, लेकिन चॉकलेट मेरी हमेशा की साथी है।'

'तेनाली रामा' में सम्राट कृष्णदेव राय की भूमिका निभा रहे आदित्य रेडिज ने कहा, 'चॉकलेट मुझे स्कूल के उन सादे लेकिन खुशहाल दिनों की याद दिलाती है, जब हम बर्थडे पर मिलने वाले चॉकलेट का बेसब्री से इंतज़ार करते थे। हम उन्हें बचा-बचाकर धीरे-धीरे खाते थे। अब मेरी पसंद थोड़ी मैच्योर हो गई है – मुझे डार्क चॉकलेट पसंद है, खासकर वो जिनमें सी सॉल्ट या बादाम हो। चॉकलेट मूस और चॉकलेट केक भी मेरी पसंद में शामिल हैं। हर किसी की चॉकलेट से जुड़ी अपनी एक कहानी होती है, मेरी कहानी बचपन की सादगी और आज की खुशी से भरी हुई है। शूटिंग के लंबे दिन के बाद रिलैक्स होने का ये मेरा पसंदीदा तरीका है।'

'वागले की दुनिया – नई पीढ़ी, नए किस्से' में वंदना वागले का किरदार निभा रहीं परिवा प्रणति ने कहा, 'एक मां के रूप में मैंने चॉकलेट को नए तरीके से सराहा है – यह अब सिर्फ मेरी पसंद नहीं, बल्कि छोटे-छोटे पलों की खुशी और यादों का ज़रिया बन गई है। मेरा बेटा अभी छोटा है, और मैं उसकी डाइट को लेकर सजग हूं, लेकिन जब भी हम बेकरी के पास से गुजरते हैं या कहीं चॉकलेट केक दिखता है, तो उसकी आंखों में जो चमक आती है, वो मुझे मेरी ही बचपन की याद दिलाती है। मुझे चॉकलेट एक्लेयर और मेरी मां के हाथ की बनी चॉकलेट बिस्किट केक सबसे ज़्यादा पसंद थी। मेरे लिए चॉकलेट सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि वो एहसास है जो पीढ़ियों और यादों को एक साथ जोड़ता है – सबसे मीठे अंदाज़ में।'

देखिए 'वीर हनुमान', 'उफ्फ्ज ये लव है मुश्किल', 'पुष्पा इम्पॉसिबल', 'वागले की दुनिया ङ्क नई पीढ़ी, नए किस्से' और 'तेनाली रामा', हर सोमवार से शनिवार, सिर्फ सोनी सब पर

निगम ने बिना अनुमति के संचालित पांच स्विमिंग पूल बंद कराए

ग्वालियर। गुरूवार 26 जून को अवैध रूप से संचालित होने वाले तरणताल में डूबकर हुई युवक की मौत के बाद निगम का खेल विभाग का अमला नींद से जागा और अवैध रूप से बिना अनुमति के चल रहे स्वीमिंग पुलों के खिलाफनिरीक्षण कर कार्रवाई की। निगम के खेल विभाग के अमले ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिना अनुमति के चले रहे पांच स्वीमिंग पूलों बंद कराये। निगम के अमले ने इससे पहले भी कार्रवाई कर तिघरा रोड स्थित एपी रिसार्ट समेत कई अन्य स्वीमिंग पूलों को बंद कराया था। लेकिन राजनीतिक दबाब बनाकर रसूखदार स्वीमिंग पूल संचालकों ने निगम की कार्रवाई को दरकिनार करते हुये बिना अनुमति के स्वीमिंग पूलों का संचालन करने का प्रयास किया, लेकिन निगम के कर्मठ और दबंग अधिकारियों द्वारा राजनेताओं के दबाब में ना आकर स्वीमिंग पूल संचालकों के खिलाफकार्रवाई कर यह बता दिया कि निगम के अधिकारी और कर्मचारी किसी राजनीतिक दल और उनके नेताओं के दबाब में काम नहीं करते।

उपायुक्त सह नोडल अधिकारी खेल विभाग सत्यपाल सिंह चौहान ने बताया कि निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर शहर में बिना अनुमति एवं नियमों का पालन न करने वाले स्विमिंग पूलों के खिलाफ निगम के खेल विभाग का अमला अभियान चलाकर कार्यवाही कर रहा है। इसी अभियान के तहत निगम के अमले ने गुरूवार को पांच स्वीमिंग पूलों के खिलाफकार्रवाई की। सहायक खेल अधिकारी अयोध्या शरण शर्मा ने

बताया कि निगम का अमला प्रतिदिन स्वीमिंग पूलों पर जाकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ ही नियमानुसार व्यवस्था ठीक करने के लिए स्वीमिंग पूल संचालकों को नोटिस जारी कर कार्रवाई कर रहा हैं और शहर में बिना पंजीयन के अवैध रूप से चल रहे तरणतालों को बंद कराया जा रहा है। निगम के खेल विभाग के अमले ने गुरूवार को 12 बीघा पर स्थित राज स्विमिंग पूल, डॉल्फिन स्विमिंग पूल एवं शिव पार्वती तथा अटल गेट, पुरानी छावनी स्थित सिकरवार एवं श्री कृष्णा आदि स्विमिंग पूलों पर कार्रवाई करते हुए बंद कराया। साथ ही पंजीयन कराए जाने तक तरणतालों को बंद रखने की हिदायत दी गई।

संचालक राजनेताओं से बनाते हैं अवैध दबाब

निगम के खेल विभाग के अमले ने बीते दिनों बिना अनुमति के अवैध रूप से संचालित हो रहे तिघरा रोड स्थित एपी रिसार्ट में बने स्वीमिंग पूल को बंद कराया था। निगम का अमला जैसे ही कार्रवाई कर निकला तो स्वीमिंग पूल संचालक ने निगम की कार्रवाई को धत्ता दिखाते हुये पूल चालू कर लिया था। इस बात की जानकारी जब निगम के अधिकारियों को लगी तो उन्होंने बिना अनुमति के पूल चलाने वाले संचालकों को पूल बंद रखने की हिदायत दी तो पूल संचालक ने ग्रामीण क्षेत्र के एक सत्ताधारी दल के विधायक से फोन लगवाकर निगम के अधिकारियों पर दबाब बनाने का प्रयास किया। लेकिन निगम के अधिकारी दबाब में नहीं आये और उन्होंने पूल संचालक को स्पष्ट शब्दों में हिदायत दी कि जब तक पूल संचालन की अनुमति नहीं मिल जाती वह पूल बंद रखें और यदि वह राजनेताओं का सहारा लेंगे तो उनके खिलाफकठोर कार्रवाई की जायेगी।

इनका कहना

शहर में बिना अनुमति के अवैध रूप से संचालित होने वाले तरणतालों के खिलाफ निगम का अमला लगातार कार्रवाई कर रहा है। कुछ पूल संचालक राजनेताओं से दबाब बनबाकर बिना अनुमति के पूल संचालित करना चाहते है। लेकिन निगम की बिना अनुमति के शहर में कोई भी पूल संचालित नहीं किया जायेगा। जिन तरणतालों में मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी मापदंडों की पूर्ति नहीं की जा रही है उन पर निगम का अमला लगातार कार्रवाई जारी रखेगा।

सत्यपाल सिंह चौहान
उपायुक्त सह नोडल अधिकारी खेल विभाग

देवगढ़ के 70 इंद्रा आवासों ने छोटे वन कर्मचारियों की बढ़ाई मुश्किलें

– काम कराने के लिये वन क्षेत्र में डाल दिया कच्चा मटेरियल

ग्वालियर। बेंहट देवगढ़ वन क्षेत्र में आदिवासियों के लिये बनाये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 70 इंद्रा आवास ने वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों को संकट में डाल दिया है। प्रशासन के वरिष्ठ अफसरों के सामने छोटे कर्मचारियों के लिये यह योजना ठीक उसी तरह साबित हो रही है। जैसे कि छछूंदर को निगलने पर सांप के साथ होता है। इधर कुंआ है और उधर खाई है, पर करें क्या?जी हां बात कुछ ऐसी ही है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी चुप्पी साध गये है। जबकि सच्चाई यह है कि बीते माह डबरा एसडीएम, तहसीलदार एवं रेवेन्यू टीम और वन विभाग के संयुक्त सीमांकन के बाद कक्ष क्रमांक 176 में काफी एरिया वन क्षेत्र का निकला था। सूत्रों की मानें तो यह भी अधिकारियों ने मौके पर तैया किये गये पंचनामें पर स्पष्ट किया था कि इस क्षेत्र में इंद्रा आवासों का निर्माण हो जाने दा। कितनी ही भूमि राजस्व में उपलब्ध कराई जायेगी। इसके साथ ही 70 आवासों के निर्माण कराने के लिये कच्चा मटेरियल डाल दिया है। देवगढ़ के तत्कालीन डिप्टी रेंजर संजय सक्सैना सेवानिवृत्त हो गये है। इसीलिये चौकी का प्रभार छत्रपाल आर्य को दिया गया है। उन्होंने फिलहाल वन क्षेत्र में हो रहे निर्माण को लेकर कार्य को रूकवा दिया है।

एनएसयूआई कार्यकर्ता सीएम का पुतला फूंकने पहुंचे, पुलिस ने छीना

ग्वालियर। गुरूवार को महाराज बाड़ा स्थित विक्टोरिया मार्केट के सामने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पर अशोक नगर में हुई एफआईआर के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला जलाने का प्रयास किया। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पुतला छीनकर आग बुझा दी। गुरूवार को एनएसयूआई के कार्यकर्ता महाराज बाड़े पर प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव कृष्णराज भारद्वाज ने आरोप लगाया

कि उनके नेता जीतू पटवारी के खिलाफएफआईआर मुख्यमंत्री के इशारे पर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी लगातार पिछड़े और दलित वर्ग की आवाज उठा रहे हैं, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाया। प्रदर्शन के बाद सीएसपी मनीष यादव ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के पास पुतला दहन की कोई अनुमति नहीं थी, और प्रशासन को पूर्व सूचना भी नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रदर्शनकारियों के खिलाफनियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सांसद शेजवलकर का भाजपा नेताओं ने किया सम्मान

ग्वालियर। ग्वालियर के पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर विवेक शेजवलकर का भाजपा नेताओं ने गुरूवार सुबह उनके निवास पर पहुंचकर सम्मान किया।

भाजपा के प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी एवं पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर द्वारा बूथ अध्यक्ष से लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खंडेलवाल की नियुक्ति तक सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के पश्चात आज उनके निवास पर भाजपा नेताओं ने इनका सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष महेश जैसवाल, पार्षद संजीव पोतनीस, अजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी ने श्री शेजवलकर को मिठाई भी खिलाई। पूर्व सांसद को पार्टी द्वारा प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति की जिम्मेदारी दी गई थी। जिसे एक दिन पहले उन्होंने निर्वाचन अधिकारी के रूप में भोपाल में सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

आधा दर्जन युवकों ने एक बाइक पर किया स्टंट

– वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कहा, होगी कार्रवाई

ग्वालियर। ट्रैफिक नियमों को दरकिनार करते हुए बाइक पर खतरनाक स्टंट करते 6 युवकों का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बाइक पर एक युवक टंकी पर बैठा है, दूसरा बाइक चला रहा है और तीन युवक पीछे बैठे हैं, जबकि छठा युवक बाइक की साइड में लटककर स्टंट करता नजर आ रहा है। इस दौरान सड़क पर अन्य दोपहिया और चार पहिया वाहन भी चल रहे थे। अगर बाइक का संतुलन जरा भी बिगड़ता, तो स्टंट कर रहे युवकों या आसपास गुजर रहे लोग किसी हादसे का शिकार हो सकते थे। मामला पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित बैजाताल रोड की है। मामला बुधवार

शाम करीब 5.30 बजे का है, जबकि वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुधवार की सायं एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल हुये वीडियो में दिख रहा है कि कुछ युवक बेखौफ होकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालते हुए स्टंटबाजी कर रहे हैं। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया था, जो अब पुलिस अधिकारियों तक भी पहुंच चुका है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बाइक पर एक युवक टंकी पर बैठा है, दूसरा बाइक चला रहा है और तीन युवक पीछे बैठे हैं, जबकि छठा युवक बाइक की साइड में लटककर स्टंट करता नजर आ रहा है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो के माध्यम से घटना की जानकारी मिली है। वीडियो की मदद से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है। बाइक पर स्टंट करने वाले युवकों की तलाश की जा रही है और उन्हें पकड़कर यातायात नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृति समारोह में कौरव का भाजपा नेता महेन्द्र यादव ने किया सम्मान

ग्वालियर। दतिया जिले के भांडेर ग्राम उड़ीना में भाजपा नेता पूर्व पार्षद जगत सिंह कौरव के बड़े भाई गंभीर सिंह कौरव प्रभारी प्रधान अध्यापक के

सेवानिवृति समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता व भोपाल जिले के प्रभारी महेन्द्र यादव गत दिवस शामिल हुये। इस अवसर पर आयोजित समारोह में श्री यादव ने कहा कि श्री कौरव हमेशा समय के पाबंद रहे और उन्होंने लंबे समय तक इस विद्यालय में अपनी सेवायें दी। नई पीढ़ी को उनसे अनुशासन की सीख लेना चाहिये कि किस तरह लगातार 32 वर्षों तक उन्होंने अपनी सेवा को सफल बनाया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व पार्षद जगत सिंह कौरव सहित बड़ी संख्या में बच्चे व उनके अभिभावक शामिल हुये। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया।

अपनी समस्याओं को लेकर निगम आयुक्त से मिले क्रेडाई एसोसिएशन के सदस्य

ग्वालियर। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने क्रेडाई एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण का पूरा आश्वासन दिया। बैठक में क्रेडाई एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदर्शन झंवर, सचिव शैलेष जैन, विकास गंगवाल, विकास जैन, सिटी प्लानरएपीएस जादौन, नोडल अधिकारी पीआईयू पवन सिंघल उपस्थित थे।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने अपने चेंबर में क्रेडाई के सदस्यों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। जिसमें सदस्यों द्वारा अवगत कराया कि जब से मास्टर प्लान लागू हुआ है, तब से एक भी बहुमंजिला की परमीशन नहीं हो पा रही है। एफएआर खरीदने की रेट अत्यधिक लगाई गई है। त्रुटिवश रेट 5 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत हो गई है। शासन से इसको सुधार करवाया जाए। अत्यधिक रेट होने के कारण बहुमंजिला इमारत नहीं बन रहीं हैं, अवैध कॉलोनी अधिक बन रहीं हैं। रेट में सुधार होने से अधिक आवास बनेंगे तथा जिससे निगम की आय भी बडेगी। साथ ही सदस्यों ने प्रॉपर्टी टैक्स, भवन अनुमति के लिए एक बड़ी बैठक रखने के लिए अनुरोध किया। जिसमें सभी अधिकारी उपस्थित रहें। जिससे क्रेडाई के सदस्यों की समस्याओं का समाधान हो सके। जिस पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने शीघ्र ही बड़ी बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया। निगमायुक्त ने सभी सदस्यों से कहा कि बैठक से पहले वे लोग अपनी बात विस्तृत रूप से उनको लिखकर दे सकते है। जिसका समाधान कराने का पूरा प्रयास किया जायेगा। शासन की मंशानुसर निगम भी यही चाहता है कि अवैध कालोनियों पर रोक लगाई जाये। जिनके खिलाफनिगम द्वारा लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। क्रेडाई एसोसिएशन इस मामले में जो भी सहयोग चाहेगा निगम द्वारा दिया जायेगा।

स्ट्रीट डॉग ने बच्ची को घसीटा, पैर नोंचा

ग्वालियर। ग्वालियर में स्ट्रीट डॉग का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है और यह प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। कंपू क्षेत्र के

अवाडापुरा में गुरुवार दोपहर एक 5 वर्षीय मासूम नायरा खान पर उस समय एक स्ट्रीट डॉग ने जानलेवा हमला कर दिया, जब वह घर के बाहर दरवाजे पर खेल रही थी। डॉग बच्ची के पैर को दांतों में दबाकर घसीटने लगा। बच्ची की चीख सुनकर पास में मौजूद तीन युवक तुरंत दौड़े और किसी तरह कुत्ते की पकड़ से मासूम को छुड़ाया। लेकिन तब तक डॉग उसके पैर में गहरे जख्म कर चुका था और मांस का हिस्सा नोच चुका था। इसके बाद परिजन तुरंत बच्ची को जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां करीब आधा दर्जन टांके बच्ची को लगाए गए। इलाज के बाद उसे पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, अब बच्ची की हालत स्थिर है। यहां बता दें कि ग्वालियर में स्ट्रीट डॉग के काटने के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जेएएच के पीएसएम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी से 1 जुलाई 2025 के बीच करीब 4500 मरीजों को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाए गए हैं। इनमें से पिछले 10 दिन में ही 350 लोग अस्पताल पहुंचे हैं। अगर इसमें जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और नगर निगम की डिस्पेंसरियों को भी शामिल करें, तो डॉग बाइट के शिकार लोगों की संख्या और अधिक हो सकती है।

शासन की मंशानुसार पदोन्नति के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से करें: संभाग आयुक्त खत्री

ग्वालियर। प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति का कर्मचारी हित में निर्णय लिया गया है। शासन की मंशा अनुरूप सभी पात्र शासकीय कर्मचारियों को पदोन्नति मिले, इसके लिये विभागीय अधिकारी समय रहते सभी कार्रवाई पूर्ण करें। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने गुरुवार को संभागीय अधिकारियों की बैठक में उक्त संबंध में दिशा-निर्देश दिए हैं।

संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभाग में पदोन्नति के संबंध में शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के परिपालन में सभी कार्रवाई समय रहते पूर्ण कर लें। बैठक में जिला कोषालय अधिकारी अरविंद कुमार शर्मा ने शासन द्वारा पदोन्नति के संबंध में जारी किए गए दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संभागीय कार्यालयों, जिला कार्यालयों और प्रदेश स्तरीय कार्यालयों से पदोन्नति के संबंध में क्या दू क्या कार्रवाई की जाना है। दिए गए निर्देशों का पालन समय पर हो, यह सभी अधिकारी सुनिश्चित करें। संभागीय आयुक्त खत्री ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग में भर्ती नियम एवं पदोन्नति समिति का गठन करें, आरक्षण रोस्टर तैयार करें, जिले एवं संभाग स्तर पर रिक्त पदों की जानकारी, कर्मचारियों की गोपनीय चरित्रावली की जानकारी के साथ प्राप्त स्वीकृत, भरे हुए और रिक्त पदों की जानकारी भी तैयार करें। अगले सात दिन के बाद पुनरू आयोजित समीक्षा बैठक में सभी संभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग की जानकारी के साथ उपस्थित रहें। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस के माध्यम से काम करने के निर्देश शासन द्वारा जारी किए गए हैं। संभागीय आयुक्त कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली पूर्व से ही संचालित है। सभी संभागीय अधिकारी भी अपने-अपने ऑफिस में ई-ऑफिस प्रणाली को अपनाएं और संभागीय कार्यालय से भी ई-ऑफिस के माध्यम से पत्राचार एवं फाइलों को भेजने की कार्रवाई करें। जो संभागीय कार्यालय अभी तक ई-ऑफिस से नहीं जुड़े हैं, वे शीघ्र सभी कार्रवाई कर ई-ऑफिस से जुड़ें। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि बरसात के मौसम में और उसके बाद मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिये कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई की जाए। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी जिलों की पृथक-पृथक कार्ययोजना बनाकर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अधिकारी के साथ ही अन्य संबंधित अधिकारी इस पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को ग्वालियर-चंबल संभाग में स्थापित सभी एनआरसी केन्द्रों की मॉनीटरिंग कर नियमित जानकारी भेजने के निर्देश भी दिए।

प्रभारी मंत्री सिलावट आज ग्वालियर आएंगे

ग्वालियर । जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट आज 4 जुलाई को ग्वालियर के दो दिवसीय प्रवास पर आयेंगे। मंत्री सिलावट आज प्रातः लगभग 7 बजे रेलमार्ग द्वारा ग्वालियर पहुँचेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री सिलावट 4 जुलाई को प्रातः 10 बजे बाल भवन पहुँचकर प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिले के विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि वितरित करने के लिये आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मंत्री सिलावट इस दिन शहर की सड़कों का निरीक्षण भी करेंगे। साथ ही अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। प्रभारी मंत्री 5 जुलाई को ग्वालियर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद मंत्री सायंकाल 7.50 बजे ग्वालियर रेलवे स्टेशन से रेलमार्ग द्वारा इंदौर के लिये प्रस्थान करेंगे।

मूल्यांकन कार्य में हो रही लापरवाही के संबंध में ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। नर्सिंग छात्र संगठन के द्वारा मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री के नाम एक ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग एवं पोस्ट बीएससी नर्सिंग की परीक्षाओं के मूल्यांकन में अनियमितता की जा रही है और कुछ दिनों से सोशल मीडिया में भी ऑनलाइन मूल्यांकन करने की एक वीडियो वायरल हो रही है। जिसमें मूल्यांकनकर्ता छात्र-छात्राओं की भविष्य के साथ कैसे खिलवाड़ कर रहे हैं। मात्र 1 मिनट से भी कम समय में एक छात्र के कॉपी का मूल्यांकन

कर दिया जा रहा है। मूल्यांकनकर्ता अपना आईडी पासवर्ड अपने संबंधित रिश्तेदारों को देखकर मूल्यांकन का कार्य करवा रहे हैं। जो की बिल्कुल नियम विरुद्ध है। इन जैसे मूल्यांकन कर्ता पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। नर्सिंग छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि पूर्व में भी मूल्यांकन एवं प्रैक्टिकल कार्य में हो रही लापरवाही को उक्त संगठन द्वारा उजागर करता रहा है। नर्सिंग छात्र संगठन छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगा एवं इस भ्रष्टाचार में सम्मिलित लोगों पर कार्रवाई करवाकर ही रहेगा। यदि कार्रवाई नहीं होती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

अनुशासनहीनता पर एसएसपी धर्मवीर ने 20 पुलिसकर्मियों को किया लाइन अटैच

ग्वालियर। अनुशासनहीनता व विभिन्न प्रकरणों के चलते एसएसपी धर्मवीर सिंह ने जिले में पदस्थ 20 पुलिस कर्मियों को लाइन अटैच करने के आदेश गुरूवार को जारी किये है। इनमें दो उपनिरीक्षक भी शामिल है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से पिछले दिनों यह निर्देश प्राप्त हुआ था कि जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण, विवेचना लंबित है उनको थानों में या फील्ड पोस्टिंग में ना रखा जाये। इसके पालन में जांच के बाद एसएसपी श्री सिंह ने उपनिरीक्षक संजीता मिंज, चंद्रशेखर कुशवाह, एएसआई राजीव दुबे, अभिषेक पाराशर सहित 20 अन्य प्रधान आरक्षक व आरक्षकों को पुलिस लाइन भेजने के आदेश जारी किये हैं। एसएसपी श्री सिंह का कहना है कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इस तरह के पुलिस कर्मियों को फील्ड से हटाने के निर्देश प्राप्त हुये थे। इसके अतिरिक्त अनुशासन का पालन करना व जनता की शिकायतों को दूर करने में पुलिस कर्मियों को तत्परता दिखानी होगी। ऐसा नहीं करने पर संबंधित के खिलाफकार्रवाई जारी रहेगी।

शीघ्र प्रारंभ होगा पगौड़ा रेस्टोरेंट, बढ़ेगी निगम की आय: निगमायुक्त

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा पगौड़ा रेस्टोरेंट पुनः प्रारंभ किया जाएगा। जिससे निगम की आय बढेगी, शीघ्र ही शुभारंभ करने के लिए संबंधित एजेंसी को राशि जमा करने एवं अनुबंध करने के लिए पत्र लिखा गया है।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि मांडरे की माता स्थित पगौड़ा रेस्टोरेंट के संबंध में एमसी द्वारा नियमानुसार समयावधि में वृद्धि का आवेदन स्वीकार किया गया। इसके साथ ही बकाया मासिक शुल्क जमा कराते हुए अनुबंध अनुसार अवधि वृद्धि की कार्यवाही की जावेगी। पगौड़ा रेस्टोरेंट में रेस्टोरेंट व्यवसाय हेतु जिस प्रयोजन के लिए अनुमति प्रदान की गई थी, जिसको लेकर एमआईसी द्वारा संचालन की अनुमति डिपोजिट राशि में दोगुनी तथा मासिक शुल्क में 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। पगौड़ा रेस्टोरेंट की 05 वर्ष की अवधि वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुबंध अनुसार अवधि वृद्धि की राशि 50 हजार रूपये एवं पगौड़ा रेस्टोरेंट का बकाया मासिक लायसेंस शुल्क की राशि 7,71,921 रूपये तथा डिपोजिट राशि की दोगुनी राशि जमा कराकर पुनः नवीन अनुबंध संपादित कराने तथा 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ मासिक लायसेंस शुल्क जमा कराने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला ग्वालियर (म0प्र)

क्रमांक– /क्यू/3/मा.रा./खनिज/2025–26/1216 ग्वालियर,दिनांक– 1/7/2025

सूचना–पत्र

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क)

यह सूचित किया गया है कि , आवेदिका श्रीमती ममता आदिवासी निवासी– नयागांव पोस्ट बरई जिला ग्वालियर म0प्र0 द्वारा म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क के तहत् उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन नवीन आवेदन पत्र दिनांक– 16/06/2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :–

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हैक्टेयर में	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
ग्वालियर	डबरा	गजापुर	494	4.000	शासकीय	गिटटी, खण्डा–ढोका , बोल्डर, एम–सेण्ड	–

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्रों में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारिख से "30 दिवस" के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला ग्वालियर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नही किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा
जिला ग्वालियर

G15114/25

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता जरूरी, अब सिर्फ निंदा नहीं ठोस कार्रवाई हो

यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है। परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति को बल मिला है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। वैसे संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकियों को वैश्विक सूची में शामिल किया है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि सब कुछ जानते हुए हाल ही में पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष किस आधार बनाया गया? अब क्वाड में शामिल देशों अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और अपने दायित्वों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी संबंधित प्राधिकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। इतना ही नहीं, क्वाड ने अपने संदेश में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का भी दृढ़तापूर्वक समर्थन किया है। इस संदेश में भले ही पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया गया, लेकिन आतंकवाद का पालन-पोषण कौन करता है, यह पहले से जगजाहिर है। ऐसे में वैश्विक समुदाय को चाहिए कि इस मुद्दे पर वह एकजुट होकर ठोस और कड़े कदम उठाए, ताकि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जा सके।

छोटी बातों से उपजे बड़े फासले, मन के भीतर घुटती रह जाती हैं भावनाएं, हम क्यों नहीं कर पाते पहल?

ग्रामीण समाज में अक्सर ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिसमें बचपन से लेकर जवानी तक साथ-साथ पले-बढ़े भाइयों तक के बीच में किसी बहुत मामूली-सी बात को लेकर अनबन हो जाती है। छोटी-सी बात कब बड़ी बन जाती है, पता ही नहीं चलता। ऐसे में दोनों के बीच जिस तरह बातचीत बंद हो जाती है, वह वक्त कब दिन, महीनों से साल दर साल में बदलता चला जाता है, समझ ही नहीं आता। स्वाभाविक है ऐसे में दोनों परिवारों के बीच में भी बातचीत बंद हो जाती है और आपस में कोई सामाजिक सहभागिता भी नहीं हो पाती।

कई बार मन में प्रेम रहते हुए भी लोग इसलिए सख्त व्यवहार करते हैं कि उनका अहं उनके वास्तविक भाव पर हावी होता है। वे अपने भीतर बसे प्रेम और भावना का प्रकटीकरण नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? लोग मन में बसे अहं की अदृश्य दीवार को गिरा क्यों नहीं पाते हैं? ग्रामीण समाज में अक्सर ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिसमें बचपन से लेकर जवानी तक साथ-साथ पले-बढ़े भाइयों तक के बीच में किसी बहुत मामूली-सी बात को लेकर अनबन हो जाती है। छोटी-सी बात कब बड़ी बन जाती है, पता ही नहीं चलता। ऐसे में दोनों के बीच जिस तरह बातचीत बंद हो जाती है, वह वक्त कब दिन, महीनों से साल दर साल में बदलता चला जाता है, समझ ही नहीं आता। स्वाभाविक है ऐसे में दोनों परिवारों के बीच में भी बातचीत बंद हो जाती है और आपस में कोई सामाजिक सहभागिता भी नहीं हो पाती। हालांकि, दोनों दूसरे-तीसरे व्यक्ति के माध्यम और तरीके से एक-दूसरे की खबर लेते रहते हैं। एक भाई का परिवार दूसरे भाई के परिवार के दुख के बारे में सुनकर दुखी होता है और सुख के बारे में सुन कर खुश होता है। बावजूद इसके दोनों परिवार के बीच घुलना-मिलना तो दूर बातचीत तक बंद रहती है। ऐसा नहीं है कि दोनों समझौता नहीं चाहते होंगे, लेकिन दिक्कत यह रहती है कि पहले बातचीत शुरू कौन करे। छोटी-सी बात से शुरू हुई यह कहानी अहम का मामला बन जाता है और प्रेम पर भारी पड़ जाता है। दो दोस्तों, दो रिश्तेदारों, परिजनों के बीच अक्सर इस तरह का मामला देखने को मिलता है। शिकायत रहती है कि उसने मुझे पहले फोन नहीं किया। वह मुझे फोन नहीं करता फिर मैं क्यों करूं? छोटी-छोटी शिकवे-शिकायतों का यह सिलसिला लगातार चलता रहता है। फोन हाथ में है और दोस्त को बस लगाना ही तो है। फिर हम अपने आपको बटन दबाने से रोक क्यों लेते हैं? ऐसा नहीं है कि यह मनोभाव एक ही व्यक्ति के मन में उमड़ती-घुमड़ती रहती होगी। सभी इंसान ही हैं। ये ऐसी भावनाएं हैं जो सबके अंदर में आती-जाती हैं।

बस उसका बरसना बाकी रह जाता है। ऐसी घटनाएं नकारात्मक तरीके से व्यक्ति के मन में परत-दर-परत जमती जाती हैं और आखिर में ये किसी पहाड़ से भी बड़े स्वरूप का आकार ले लेती हैं। ये कहीं दिखती नहीं है, लेकिन मन में जरूर खड़ी रहती है और कई बार खुन्नस, रंजिश, प्रतिशोध सहित तमाम बुराइयों को जन्म देती है। कई बार मन के भीतर प्रेम रहते हुए भी लोग इसलिए सख्त व्यवहार करते हैं कि उनका अहं उनके वास्तविक भाव पर हावी होता है। वे अपने भीतर बसे या छिपे प्रेम का, भावना का प्रकटीकरण नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? लोग मन में बसे अहं के अदृश्य दीवार को गिरा क्यों नहीं पाते हैं? अपनी भावना को मन के भीतर कैद करने से घुटन तो जरूर होती होगी। फिर लोग इससे निजात क्यों नहीं पाना चाहते हैं? लोग खुद से क्यों लड़ते रहते हैं? शायद ऐसे लोग यह सोचते होंगे कि बात होगी तो यह कहूंगा, यह शिकायत भी कर दूंगा और प्रेम की बातें भी प्रकट कर दूंगा, लेकिन जब आमने-सामने आते हैं तो वे तमाम बातें जुबान तक नहीं आ पाती हैं। मन के भीतर ही दबी रह जाती हैं। भावना को सही तरीके से और सही समय पर प्रकट नहीं किए जाने के कारण आज के दौर में अवसाद के कई मामले सामने आ रहे हैं। अस्पतालों के अवसाद विभाग में बढ़ती मरीजों की संख्या इस बात की गवाही देती नजर आती है। कई बार ऐसे लोग मिलते हैं, जो बताते हैं कि मेरे किसी परिजन या रिश्तेदार का निधन हो गयाज उनसे बहुत स्नेह थाज उनसे मैं बहुत कुछ कहना चाहता था बचपन में उनके कंधे चढ़ कर खेलता था उनके साथ उनकी थाली में बैठ कर खाना खा लेता था। लेकिन किसी दिन 'हम बड़ा तो हम बड़ा' जैसी एक छोटी-सी बात को लेकर हम लोगों में तकरार बढ़ती गई और हम लोग दूर होते गए। अब मैं भी अधेड़ हो गया हूं और उनका तो निधन ही हो गया। काश वे मुझे एक बार मिलते तो दिल की सारी बातों को खोलकर उनके सामने रख देता, लेकिन अब यह संभव नहीं है। जब तक थे, तब तक कहा नहीं, अब कहना चाहता हूं तो वे हैं नहीं। विडंबना यह है कि ऐसे लोग खुद पहल करके समय को थाम नहीं लेते और बाद में बस अफसोस करते रह जाते हैं। भावना को मन में दबाने के बजाय हम उसे समय पर और सही तरीके से बिना अहं के किसी के सामने प्रकट करें, क्या यह संभव नहीं है? अगर ऐसा है तो हमें करना चाहिए, क्योंकि यह अच्छा है। इससे हम मन ही मन लड़ने, घुटने और अवसाद में रहने के बजाय खुली हवा में सांस ले सकेंगे, खुश रह सकेंगे। व्यक्ति अपने मन को खोल कर देखे, सहज-सरल बन कर देखेज विवेक के साथ स्थितियों का आकलन करते हुए भावनाओं को प्रकट करके देखे। निश्चित तौर पर यह सकारात्मकता को बढ़ाएगा और आखिरकार उसके लिए किसी तरह से अच्छा ही साबित होगा। अच्छे या बुरे की ऊहापोह को दूर करेगा। यों भी, किसी से किसी बात पर अनबन हो गई है तो देखने की जरूरत यह है कि क्या वह कोई ऐसी बात थी, जिससे दूसरे की गरिमा और जीवन को स्थायी हानि हुई! अगर नहीं, तो दुनिया के चलते रहने की दृष्टि से जीवन को भी सहज बनाना चाहिए और बीती बातों को भुला कर नए सिरे से जीवन को ऐसे अहसास देने की कोशिश करनी चाहिए, जिसमें मानवीयता के मूल्य समाहित हों।

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन जरूरी

भारत सरकार को यह भी साहस जुटाना होगा कि जितने बांग्लादेशी भारत में रह रहे हैं उनके रहने के लिए उसी अनुपात में बांग्लादेश से भूमि मांगे। बांग्लादेश इसके लिए राजी नहीं होगा। ऐसी स्थिति में हमें सख्ती दिखानी। बात आगे बढ़े तो रंगपुर डिवीजन में भूमि लेने से सिलीगुड़ी कारिडोर की समस्या बहुत हद तक सुलझ जाएगी। बांग्लादेशियों की भारत में बड़ी संख्या में घुसपैठ से पैदा समस्याओं के प्रति भारत में दशकों तक सुस्ती दिखाए जाने के बाद अब कुछ जागृति दिखाई दे रही है। कई राज्यों में उनकी धरपकड़ हो रही है और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजे जाने के प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में ही पिछले छह महीनों के दौरान करीब 800 बांग्लादेशी पकड़े गए और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा गया। असम में विशेष तौर से बांग्लादेशियों के विरुद्ध अभियान चल रहा है। असम ने एक आदेश जारी किया है कि जब तक जिला मजिस्ट्रेट सत्यापित नहीं कर देंगे, तब तक किसी को आधार पहचान पत्र नहीं मिलेगा। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा से भी अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ के समाचार आए हैं, फिर भी हमें यह समझना होगा कि जो कार्रवाई हो रही है, वह बांग्लादेशियों की बहुत अधिक संख्या को देखते हुए शून्य है। वैसे तो तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से कुछ लोग बराबर भारत में घुसपैठ करते रहे। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद सोचा गया कि अब घुसपैठ कम हो जाएगी, पर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। नया देश बनने के बाद भी वहां अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न होता रहा और उनकी स्थिति खस्ताहाल बनी रही। फलस्वरूप हिंदू और मुसलमान, दोनों ही अलग-अलग कारणों से भारत आते रहे। बांग्लादेश के इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के अनुसार 1951और 1961 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से 35 लाख व्यक्ति 'गायब' हो गए। इसी प्रकार 1961 से 1974 के बीच 15 लाख व्यक्तियों का भी कुछ पता नहीं चला। ये व्यक्ति हवा में नहीं उड़ गए। ये सब भारत चले आए। बांग्लादेश के बुद्धिजीवियों ने लेबेंस्राम की भी एक थ्योरी चलाई। इसके अनुसार अधिक जनसंख्या के क्षेत्र से कम जनसंख्या के क्षेत्र में लोगों का प्रवाह एक सामान्य प्रक्रिया है और बांग्लादेशियों का भारत जाना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से भारत की किसी भी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स बनाई थीं। इनमें से एक टास्क फोर्स बार्डर मैनेजमेंट यानी सीमा प्रबंधन से संबंधित थी। इसके अध्यक्ष माधव गोडबोले थे, जो बाद में केंद्रीय गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अगस्त 2000 में भारत सरकार को सौंपी रिपोर्ट में खेद प्रकट किया कि देश में हर पार्टी में इस समस्या के प्रति उदासीनता थी और किसी भी राज्य या केंद्र सरकार ने इसके दुष्परिणामों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने साफ लिखा कि इस समस्या को लेकर सारी जानकारी और उससे निपटने के पर्याप्त संसाधन थे, पर राजनीतिक वर्ग में समस्या से निपटने के तरीकों में कोई 'सहमति' न होने के कारण निष्क्रियता रही। टास्क फोर्स के आकलन के अनुसार हर महीने करीब 25 हजार यानी प्रतिवर्ष तीन लाख बांग्लादेशी अवैध तरीके से भारत आते रहे और भारत में उनकी कुल संख्या उस समय तक करीब 1.5 करोड़ थी। बांग्लादेश-भारत सीमा पर जैसे-जैसे फेंसिंग लगती गई, घुसपैठियों की संख्या में कमी होती गई। फिर भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या भारत में इस समय कम से कम दो करोड़ होगी। 2001 में मंत्रियों के एक समूह ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में उल्लेख किया कि बांग्लादेश से जो घुसपैठ हो रही है वह देश की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति के लिए एक गंभीर खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2005 में एक फैसले में कहा कि असम में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण आंतरिक उथल-पुथल और विदेशी आक्रमण जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और इस परिस्थिति में भारत सरकार का कर्तव्य बनता है कि असम की सुरक्षा के लिए संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाई करे। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि टास्क फोर्स की रिपोर्ट, मंत्रियों के समूह की चेतावनी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी भारत सरकार की नींद नहीं खुली और स्थिति जस की तस बनी रही। क्या यूपीए सरकार, क्या एनडीए सरकार, किसी ने कुछ नहीं किया। अब जब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है और शेख हसीना वहां से बचकर भारत में निर्वासित रूप में रह रही हैं और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार का गठन हो गया है, जो भारत विरोधी है, तब सबको लग रहा है कि कुछ करना चाहिए। समकालीन वैश्विक परिदृश्य को देखें तो तमाम देश अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान छेड़े हुए हैं। अमेरिका में विभिन्न देशों से घुसपैठ कर आए हुए सभी व्यक्तियों को जबरन उनके देश वापस भेजा जा रहा है। पाकिस्तान ने भी करीब 13 लाख अफगानों को वापस अफगानिस्तान भेज दिया है। मलेशिया से भी बांग्लादेशियों के विरुद्ध कार्रवाई की खबर आ रही है। ऐसे माहौल में भारत में अवैध तरीके से घुसे बांग्लादेशियों और म्यांमार से रोहिंग्या घुसपैठियों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर कार्रवाई में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। फिलहाल विभिन्न राज्यों में जो कार्रवाई हो रही है, उससे लगता है कि हम शायद कुछ हजार बांग्लादेशियों को ही वापस भेज पाएंगे। बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों के भारत में रहने की स्थिति से हमें समझौता करना पड़ेगा। अगर ऐसा होता है तो हमें तीन बातें सुनिश्चित करनी होंगी। पहली, अवैध रूप से आए बांग्लादेशियों को अलग पहचान पत्र दिए जाएं, जिसके अंतर्गत उन्हें देश में रहने और काम करने की अनुमति हो। दूसरी, वे भारत में अचल संपत्ति न खरीद सकें और तीसरी उन्हें किसी भी चुनाव में वोट देने का अधिकार न हो। भारत सरकार को यह भी साहस जुटाना होगा कि जितने बांग्लादेशी भारत में रह रहे हैं, उनके रहने के लिए उसी अनुपात में बांग्लादेश से भूमि मांगे। बांग्लादेश इसके लिए राजी नहीं होगा। ऐसी स्थिति में हमें सख्ती दिखानी। बात आगे बढ़े तो रंगपुर डिवीजन में भूमि लेने से सिलीगुड़ी कारिडोर की समस्या बहुत हद तक सुलझ जाएगी। गृहमंत्री बार-बार कहते हैं कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी घुसा चला आए और यहीं बसेरा बना ले। धर्मशाला तो हमारा देश बन चुका है। इस धर्मशाला की सरकार कितनी सफाई कर पाती है।

हिमाचल प्रदेश पर इन दिनों कुदरत की मार पड़ रही है। बादल फटने की घटनाओं से मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। कई पहाड़ी इलाके भी चपेट में आए हैं। एक तरफ नदियां उफन रही हैं, तो दूसरी तरफ जमीन धंसने से खतरा बढ़ा है। मंगलवार देर रात मंडी जिले में बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। दस लोगों की असमय मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता हैं। यह हादसा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गांवों में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कुछ बह गए।

बादलों के कहर में बहते पहाड़, हिमाचल के संकट पर कब जागेगा सिस्टम?

यह हादसा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गांवों में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कुछ बह गए। राज्य में एक दिन में बादल फटने की ग्यारह घटनाएं हुईं, जिनमें सबसे अधिक मंडी जिले में दर्ज की गईं।

हिमाचल प्रदेश पर इन दिनों कुदरत की मार पड़ रही है। बादल फटने की घटनाओं से मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। कई पहाड़ी इलाके भी चपेट में आए हैं। एक तरफ नदियां उफन रही हैं, तो दूसरी तरफ जमीन धंसने से खतरा बढ़ा है। मंगलवार देर रात मंडी जिले में बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। दस लोगों की असमय मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता हैं। यह हादसा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गांवों में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कुछ बह गए। राज्य में एक दिन में बादल फटने की ग्यारह घटनाएं हुईं, जिनमें सबसे अधिक मंडी जिले में दर्ज की गईं। यह दुखद है कि मानसून के बादल हिमाचल प्रदेश के लोगों पर आफत बनकर बरसे हैं। अगर समय पूर्व चेतावनी देने के तंत्र की माकूल व्यवस्था की गई होती तो शायद जान-माल

का इतना नुकसान नहीं होता। वैसे बादल फटना कोई सामान्य मौसमी घटना नहीं है। जलवायु परिवर्तन की वजह से ऐसी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। 30 साल बाद कर्मफल दाता शनि बनाएंगे नवपंचम राजयोग, इन राशियों की पलट सकती है किस्मत, बैंक-बैलेंस के साथ बढ़ेगा रुतबा मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते मौसम के मिजाज को समझने की जरूरत है। बचाव के क्या रास्ते हो सकते हैं, इस पर विचार करना होगा। यह जलवायु संकट का ही परिणाम है कि अब पहाड़ों पर भी गर्मी पड़ रही है और मानसून में बादल फटने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी बढ़ने और गर्म हवा के तेजी से ऊपर उठने के कारण बादल फट रहे हैं और तबाही मचा रहे हैं। ऐसे में चट्टानें, मिट्टी और पेड़ बहते हुए जब नीचे की ओर तेजी से आते हैं, तो रास्ते में आने वाली हर चीज को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। कृषि भूमि तो बर्बाद होती ही है, सड़कें और पुल भी ध्वस्त हो जाते हैं और जानी नुकसान भी होता है। हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बार-बार बादल फटने की घटनाएं एक गंभीर चेतावनी है, जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

अमेरिका में चार देशों के संगठन क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह तो कहा गया कि पहलगाम में आतंकी हमले के दोषियों को न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाए, लेकिन सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम लेने से बचा गया। स्पष्ट है कि अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों के रवैये से भारत संतुष्ट नहीं हो सकता। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि अमेरिका की पहल पर पाकिस्तान का नाम लेने से बचा गया।

क्वाड का संदेश, आतंकवाद पर चीन और अमेरिका आदि देशों का दोहरे रवैया

भारत को अभी से इस बैठक की तैयारी करनी होगी। इसी के साथ उसे अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विशेष रूप से चीन की भी सदस्यता वाले एससीओ और ब्रिक्स जैसे संगठनों में अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रहना होगा। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में वैश्विक हितों के साथ अपने हितों की चिंता करनी ही होती है। अमेरिका में चार देशों के संगठन क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह तो कहा गया कि पहलगाम में आतंकी हमले के दोषियों को न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाए, लेकिन सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम लेने से बचा गया। स्पष्ट है कि अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों के रवैये से भारत संतुष्ट नहीं हो सकता। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि अमेरिका की पहल पर पाकिस्तान का नाम लेने से बचा गया। आखिर उसकी ओर संकेत करने का क्या अर्थ? क्या पाकिस्तान क्वाड के सदस्य देशों से भी बड़ा देश है अथवा ऐसी कोई आर्थिक एवं सैन्य ताकत है, जिससे आतंकी संगठनों को पालने पोसने की उसकी नीति की आलोचना-निंदा करने में संकोच किया जाए? इस संकोच के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के स्वार्थ जान पड़ते हैं। उन्होंने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान

के खिलाफ आपरेशन सिंदूर के तहत की गई भारत की सैन्य कार्रवाई पर जिस तरह प्रतिकूल रवैया अपनाया, उससे भारत को तो हैरानी हुई ही, स्वयं अमेरिका की आतंकवाद के प्रति दोहरी नीति नए सिरे से उजागर हुई। यह साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के आतंकी चेहरे की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान को प्रिय और महान देश बताने के साथ पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की तारीफ भी की। इसके कारण कुछ भी हों, भारत को आतंकवाद के मामले में अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप की नीति से सावधान रहना चाहिए। भारत को इसके लिए निरंतर प्रयत्न करने होंगे कि क्वाड जिन उद्देश्यों के लिए गठित किया गया, उनके अनुरूप ही कार्य करे और ऐसा करते हुए सभी सदस्य देशों के हित की चिंता करे। भारत इस पर संतोष कर सकता है कि क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद के अतिरिक्त जिन अन्य विषयों पर चर्चा हुई, वे उसके हितों को रेखांकित करने और उसकी चिंताओं को अभिव्यक्ति देने वाले हैं। कुछ समय बाद क्वाड शिखर सम्मेलन होना है। भारत को अभी से इस बैठक की तैयारी करनी होगी। इसी के साथ उसे अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विशेष रूप से चीन की भी सदस्यता वाले एससीओ और ब्रिक्स जैसे संगठनों में अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रहना होगा। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में वैश्विक हितों के साथ अपने हितों की चिंता करनी ही होती है। यह शुभ संकेत है कि पिछले कुछ समय से भारत अपने हितों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मामलों में भी मुखर हुआ है। यह मुखरता इसलिए कायम रहनी चाहिए, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र केवल बातें करने का मंच बनकर रह गया है। भारत को आतंकवाद के मामले में चीन, अमेरिका आदि देशों के दोहरे रवैये को बार-बार रेखांकित करना चाहिए।

मुझे लगता है कि इस समय भारत के पास यह सबसे अच्छा मौका है - सौरव गांगुली

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को भारत की प्लेइंग 11 में किसी विशेषज्ञ स्पिनर का नहीं होना खटक रहा है। उन्होंने कहा कि जिन दो धीमी गति के गेंदबाजों के साथ भारत खेल रहा है, वह कितना कारगर साबित होंगे। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच बुधवार से शुरू हो गया। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने पांच विकेट पर 310 रन बना लिए हैं।

एजबेस्टन टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग 11 में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को बतौर स्पिनर शामिल किया गया है। वहीं, कुलदीप यादव को एक बार फिर ड्रॉप कर दिया गया। सौरव गांगुली ने कहा- मुझे यकीन नहीं है कि भारत अपने दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों को खिलाए या नहीं। इंग्लैंड ने पहले फील्डिंग चुनी, मैं इससे

हैरान हूं। मुझे लगता है कि इस समय भारत के पास यह सबसे अच्छा मौका है। बोर्ड पर रन बनाएं और उम्मीद है कि यह काम करेगा।

गांगुली के अलावा पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी कुलदीप यादव को नहीं चुनने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- %मैं इस बात से थोड़ा हैरान हूं कि कुलदीप को नहीं चुना गया, क्योंकि इस तरह की पिच पर, जहां हर कोई कहता है कि इसमें थोड़ा ज्यादा टर्न है। अगर आपके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आपको अपेक्षित रन नहीं दे रहे हैं, तो वाशिंगटन नंबर सात या नहतीश रेड्डी नंबर आठ पर जरूरी नहीं कि इसे ठीक कर दें, क्योंकि ये वे बल्लेबाज नहीं थे जिन्होंने पहले टेस्ट में आपको विफल किया था। आपने 830 रन बनाए। आपने दो पारियों में 380 रन नहीं बनाए - यह 830 से अधिक रन थे। यह बहुत सारे रन हैं। इसलिए, जहां आपको मजबूती की जरूरत थी वह विकेट लेने वाला विभाग था, बल्लेबाजी में नहीं।

विंबलडन 2025 में अल्काराज का विजयी अभियान जारी

विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका और एम्मा राडुकानु भी तीसरे राउंड में पहुंचीं

नई दिल्ली। विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं।

लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतने का टारगेट अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट

सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं।आर्यना सबालेंका ने भी अपना मैच जीता वहीं, विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। 95 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने 41 विनर लगाए।

टूर्नामेंट की चौथी सीड जैस्मिन पाओलिनी उलटफेर की हुई शिकार टूर्नामेंट की चौथी सीड जैस्मिन पाओलिनी उलटफेर का शिकार हो गईं। वर्ल्ड रैंकिंग 62वें नंबर की रूसी खिलाड़ी कमिला राखिमोवा ने 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु ने 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा को 6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला टूर्नामेंट की टॉप सीड सबालेंका से होगा।

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025, गुरुप्रसाद ने मनवाया भारतीय पुलिस का लोहा, गोल्ड के साथ जीता ब्रॉन्ज

कर्नाटक। कर्नाटक के तुमकुरु जिला पुलिस विभाग के एथलीट गुरुप्रसाद ने अमेरिका में भारतीय पुलिस का लोहा मनवाया है। गुरुप्रसाद ने अलबामा में आयोजित %वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025% के 21वें संस्करण में स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किए। भारतीय पुलिस टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, गुरुप्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में 10 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में स्वर्ण और 5 किलोमीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। गुरुप्रसाद वर्तमान में तुमकुरु शहर के तिलक पार्क पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं।

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 का आयोजन 27 जून से 6

जुलाई के बीच अमेरिका में हो रहा है, जो एक ओलंपिक शैली की प्रतियोगिता है। इसमें विश्व के अलग-अलग देशों के हजारों एथलीट हिस्सा लेते हैं, जिनमें लॉ-एनफोर्समेंट, फायरफाइटर्स और करेक्शन, प्रोबेशन, बॉर्डर प्रोटेक्शन, इमिग्रेशन और कस्टम के अधिकारी होते हैं।

खेलों का आयोजन हर दो साल में एक बार किया जाता है। आमतौर पर आधिकारिक खेल कार्यक्रम में 60 से अधिक खेल शामिल होते हैं। इन खेलों का संचालन कैलिफोर्निया पुलिस एथलेटिक फेडरेशन (सीपीएएफ), मेजबान शहर और डब्ल्यूपीएफजी निदेशक मंडल करते हैं। पहली बार %वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स% साल 1985 में सैन जोस (कैलिफोर्निया) में आयोजित किया गया था। अब तक इसका आयोजन अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, उत्तरी आयरलैंड, स्पेन और स्वीडन में किया जा चुका है।

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स% (डब्ल्यूपीएफजी) का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर कैलिफोर्निया पुलिस गेम्स की ही तरह खेलों की समान विविधता, उच्च स्तरीय स्टेडियम, कुशल अधिकारी और बेहतरीन एथलेटिक प्रदर्शन प्रदान करना है। डब्ल्यूपीएफजी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाले देशों की संख्या के साथ-साथ उपस्थिति भी लगातार बढ़ रही है।हालांकि, इसमें औसतन लगभग 9,000 एथलीट हिस्सा लेते हैं, लेकिन 2011 में न्यूयॉर्क में आयोजित डब्ल्यूपीएफजी ने अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें करीब 70 देशों से आए 16,000 से अधिक एथलीट्स ने 67 खेलों में प्रतिस्पर्धा की थी।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 77 रन से पहला वनडे हराया, कप्तान चरिथ असलंका का शतक

वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए

नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतने के बाद श्रीलंका ने बांग्लादेश को पहला वनडे भी हरा दिया। बुधवार को होम टीम ने कोलंबो में 77 रन से मुकाबला जीता और 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 106 रन बनाने वाले कप्तान चरिथ असलंका प्लेयर ऑफ द मैच रहे। लेग स्पिनर वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए।

श्रीलंका की खराब शुरुआत आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी, लेकिन टीम की शुरुआत खराब रही। 29 रन पर 3 विकेट गिर गए। निशान मदुष्का ने 6 रन बनाए, वहीं पाथुम निसांका और कामिंडु मेंडिस खाता भी नहीं खोल सके। विकेटकीपर

कुसल मेंडिस ने फिर असलंका के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को संभाल लिया।

असलंका ने 5वां वनडे शतक लगाया मेंडिस 45 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद जनिथ लियानागे ने 29 रन बनाए और असलंका के साथ 64 रन की साझेदारी कर ली। लोअर मिडिल ऑर्डर में मिलन रत्नायके और वनिंदू हसरंगा ने 22-22 रन बनाए। असलंका ने सेंचुरी लगाई, वे 106 रन बनाकर 9वें विकेट के रूप में आउट हुए। यह उनके वनडे करियर की 5वीं सेंचुरी रही।

श्रीलंका 49.2 ओवर में 244 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने 4 और तंजिम हसन साकिब ने 3 विकेट लिए। तनवीर इस्लाम और नजमुल हुसैन शांतो को 1-1 विकेट मिला। 1 बैटर रन आउट भी हुआ।

व्यापार

चीन ने भारत को जरूरी मशीनों की डिलीवरी रोकी, 300 इंजीनियर्स को वापस बुलाया

नई दिल्ली। चीन ने भारत को जरूरी मशीनों और पार्ट्स की डिलीवरी रोक दी है। ये मशीनें और पार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर्स के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा, भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने अपने 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को भारत से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने ऐसा भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रभावित करने के लिए किया है।

चीनी वर्कर्स के जाने से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है

सूत्रों ने कहा, चाइनीज कर्मचारियों की संख्या 1 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन ये प्रोडक्शन और क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे अहम ऑपरेशंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चीनी सरकार द्वारा अपने नागरिकों को वापस

बुलाने के निर्देश से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है।

बीती दिनों चीन ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई भी रोक दी थी। ऐसे में चीन के इन दोनों कदमों को भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ को कमजोर करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

चीन शायद भारत के साथ टिट-फॉर-टैट की रणनीति अपना रहा है, क्योंकि उनके कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बिजनेस वीजा हासिल करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। एक उद्योग सूत्र ने कहा, हम इस मामले पर सरकार को एक रिपोर्ट भेजने का प्लान बना रहे हैं।आईफोन मैन्यूफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा है। 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत था।

चार साल पहले भारत ने आईफोन असेंबलिंग शुरू की थी भारत ने 4 साल पहले बड़े पैमाने पर आईफोन असेंबल करना शुरू किया था, और अब ये ग्लोबल प्रोडक्शन का पांचवां हिस्सा बनाता है। एपल की योजना 2026 के अंत तक अमेरिका के लिए ज्यादातर आईफोन्स भारत में बनाने की है, जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आलोचना की है।

रेपो रेट में कटौती के बावजूद धीमी पड़ी बैंकिंग ग्रोथ, कर्ज और जमा दोनों में सुस्ती

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कटौती से ऋण उठाव और जमा वृद्धि की रफ्तार धीमी हो गई है। ऋण उठाव का मतलब है बैंकों द्वारा लोगों, कंपनियों या सरकार को दिए गए कुल ऋण की मात्रा में वृद्धि। केयरएज की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2025 से अब तक रेपो रेट में 100 आधार अंकों की कटौती की है। रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा पखवाड़े में ब्याज दरें घटाने के बावजूद जमा वृद्धि कर्ज वितरण से अधिक बनी हुई है। इसमें कहा गया कि जमाराशि में 0.44 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह 13 जून, 2025 तक 230.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में (विलय प्रभाव को छोड़कर) जमा वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत थी। यह गिरावट मुख्य रूप से बैंकों की अपनी वित्तपोषण जरूरतों को पूरा

करने के लिए जमा प्रमाणपत्रों पर निर्भरता बढ़ाने और जमा वृद्धि में मंदी के कारण हुई क्योंकि थोक जमा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है।

ऋण उठाव में 9.6 प्रतिशत की हुई वार्षिक वृद्धि

इसके अलावा, ऋण उठाव में 9.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई और 183.1 लाख करोड़ तक पहुंच गया। हालांकि, यह पिछले वर्ष की 15.5 प्रतिशत की दर की तुलना में काफी कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मंदी उच्च आधार प्रभाव और खुदरा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कमजोर मांग के चलते देखी गई है।

डब्लूएसीएआर में आई गिरावट

केयरएज ने बताया कि शॉर्ट-टर्म वेटेड एवरेज कॉल रेट 20 जून, 2025 घटकर 5.27 प्रतिशत हो गई। यह एक साल पहले 21 जून, 2024 को 6.68 प्रतिशत थी। यह गिरावट लगातार तीन बार ब्याज दरों में कटौती और तरलता प्रवाह बढ़ाने की वजह से दर्ज की गई है। डबलूएसीआर बैंकों के बीच बहुत कम समय के लिए बिना किसी गारंटी पर उधार दिए गए पैसों पर लगने वाली औसत ब्याज दर, जिसे वेट देकर यानी उस लेन-देन की मात्रा को ध्यान में रखते हुए निकाला जाता है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए कारोबार में तेजी के कारण जून में 10 महीने के उच्च स्तर पर, पीएमआई से पुष्टि

नई दिल्ली। मांग के सकारात्मक रुझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार होने से जून में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को इसकी पुष्टि की गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर जून में 60.4 हो गया, जो नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन

को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ÷सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिसका कारण नए घरेलू ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि थी। नए निर्यात ऑर्डरों में भी वृद्धि हुई, यद्यपि धीमी गति से। मार्जिन में सुधार हुआ, क्योंकि इनपुट लागत में वृद्धि आउटपुट शुल्कों के मुकाबले कम थी।÷

आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 के बाद से नए ऑर्डरों में सबसे तेज वृद्धि हुई। सेवा कंपनियों को घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से सबसे अधिक लाभ हुआ। साथ ही नए निर्यात कारोबार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पैनल के सदस्यों के अनुसार, विदेशी मांग में विशेष रूप से एशियाई, मध्य पूर्वी और अमेरिकी बाजारों से सुधार हुआ है।

भारतीय सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार में वृद्धि हुई। मई के रिकॉर्ड से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर अपने दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि मूल्य के मोर्चे पर, लागत दबाव उपभोक्ता सेवा श्रेणी में सबसे अधिक था, जबकि आउटपुट शुल्क में सबसे तेज वृद्धि वित्त और बीमा क्षेत्र में देखी गई। सर्वेक्षण के अनुसार, एक वर्ष के समय में उत्पादन स्तर के दृष्टिकोण के बारे में आशावाद कायम रहा, 18 प्रतिशत सेवा प्रदाताओं ने वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया। हालाँकि, उत्साहित फर्मों का यह अनुपात 2022 के मध्य के बाद से सबसे कम था। इसलिए, आत्मविश्वास का समग्र स्तर गिर गया और अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे था।

एचडीएफसी के सीईओ शशिधर जगदीशन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

लीलावती ट्रस्ट ने वित्तीय धोखाधड़ी का केस किया था

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शशिधर जगदीशन ने लीलावती ट्रस्ट के एफआईआर को खारिज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।लीलावती किर्तीलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने जगदीशन के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए 30 मई को मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज कराई थी।

ट्रस्ट के मेंबर से 2.05 करोड़ रुपए लेने का आरोप

ट्रस्ट ने आरोप लगाया था कि जगदीशन ने उनके एक पूर्व मेंबर से 2.05 करोड़ रुपए लिए, जिसका मकसद ट्रस्ट के एक मौजूदा मेंबर के पिता को परेशान करना था। हालांकि,

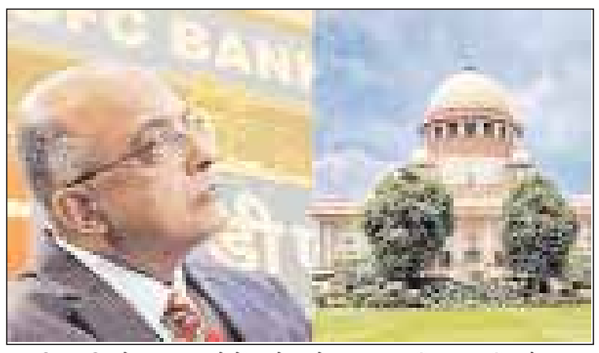

एचडीएफसी ने इन आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया था।

हाई कोर्ट जज अलग हुए, सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को सुनवाई करेगा

दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के तीन जजों ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया था, जिसके कारण केस में देरी हो रही थी। शशिधर के वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इस वजह से मामला अटक गया है।

सुप्रीम कोर्ट के जज रूरूसुंद्रेश और च विनोद चंद्रन ने इस मामले को शुक्रवार, 8 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट करने का फैसला किया है। लाइव लॉ ने इस बात की जानकारी दी है।लीलावती ट्रस्ट ने जगदीशन और सात अन्य लोगों के खिलाफ मुंबई के बांद्रा थाने में स्नढ्ढक दर्ज कराई है। ये स्नढ्ढक 30 मई 2025 को मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज हुई है। ट्रस्ट का कहना है कि उनके पास पुख्ता सबूत हैं, जिनमें एक डायरी शामिल है।इस डायरी में कथित तौर पर 14.42 करोड़ रुपए की हेराफेरी का जिक्र है, जिसमें से 2.05 करोड़ रुपए जगदीशन को दिए गए। ट्रस्ट के मौजूदा ट्रस्टी प्रशांत मेहता ने आरोप लगाया है कि ये रकम उनके पिता को परेशान करने के लिए पूर्व ट्रस्टी, चेतन मेहता ने दी थी।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कोतमा नगर में भाजपा की बैठक सम्पन्न

-जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत करोड़ों की लागत से निर्माण कार्यों का करेंगे लोकार्पण

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 04 जुलाई 2025 को कोतमा नगर के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 74 जल संरक्षण संरचनाओ के लोकार्पण जिसकी कुल लागत 50 करोड रुपए का करने के लिए दोपहर 3ः30 बजे पहुंच रहे हैं। जिनके आगमन को लेकर कोतमा नगर में भाजपा की बैठक संपन्न हुई इस बैठक में मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल एवं कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का मार्गदर्शन भाजपा के कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंत्री दिलीप जायसवाल कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाएं। आयोजित हो रहे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं दिलीप जायसवाल कुटीर एवं ग्रामोउद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),दिलीप अहिरवार वन एवं पर्यावरण विभाग राज्य मंत्री, शहडोल संसदीय क्षेत्र की संसद हिमाद्री सिंह कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम की उपस्थिति रहेगी।

कोतमा नगर के कार्यकर्ताओं को कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए नगर की सजावट से लेकर अलग-अलग जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को दी जाए जिससे कि कार्यक्रम भव्य रूप से सफल बनाया जा सके। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल एवं हेलीपैड का निरीक्षण करते हुए जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और अपना मार्गदर्शन कार्यक्रम को लेकर उपस्थित अधिकारियों को दिया। इस बैठक जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह सहित भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अनूपपुर जिले के कोतमा के प्रवास पर रहेंगे

- करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण के माध्यम से देंगे 114 विकास कार्यों की सौगात

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज 04 जुलाई को अनूपपुर जिले के कोतमा नगर के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे तथा जिलेवासियों को विकास कार्यों की अनेकों सौगात प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोतमा प्रवास के दौरान जल संसाधन विभाग के 1 कार्य, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 28 कार्य, राजस्व विभाग के 1 कार्य, लोक शिक्षण/स्कूल शिक्षा विभाग के 2 कार्य, राज्य शिक्षा केंद्र के 21 कार्य, लोक निर्माण विभाग के 2 कार्य,नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 3 कार्य,जनजातीय कार्य विभाग के 1 कार्य, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के 1 कार्य तथा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के 1 कार्य का भूमि पूजन करेंगे। इस प्रकार मुख्यमंत्री 10 विभागों के अंतर्गत 61 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, जिनकी अनुमानित लागत 365.39 करोड़ रुपये है। इसी तरह मुख्यमंत्री जल संसाधन विभाग के 3 कार्य, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 6 कार्य, तकनीकी शिक्षा विभाग के 1 कार्य, जनजातीय कार्य विभाग के 2 कार्य, उच्च शिक्षा विभाग के 1 कार्य, स्वास्थ्य विभाग के 2 कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अनूपपुर के 2 कार्य, मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के 1 कार्य एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 35 कार्य का लोकार्पण करेंगे। इस प्रकार 9 विभागों के अंतर्गत 53 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण करेंगे, जिनकी लागत 77.92 करोड़ रुपये है। इस तरह मुख्यमंत्री द्वारा जिले को कुल 114 विकास कार्यों की सौगात प्रदान की जाएगी, जिनकी संयुक्त लागत लगभग 443.31 करोड़ रुपये है।

अनूपपुर के इतिहास में 5 जुलाई को पहली बार निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

इस्कॉन केंद्र के सहयोग से तैयारियां पूर्ण जगह-जगह स्वागत के लिए आतुर भक्तगण

अनूपपुर। इस्कॉन केंद्र के अनूपपुर में प्रारंभ होने के बाद धर्म के प्रति लोगों का रुझान काफी तेजी से बढ़ा है।लोगों में नई चेतना का संचार हुआ है।युवा वर्ग धर्म के प्रति काफी आगे बढ़ गया।अनूपपुर की धरती में धर्म के तमाम आयोजन होते चले आ रहे हैं जिसमें युवा वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

अनूपपुर में इस्कॉन केंद्र की स्थापना के बाद एक नई चेतना का उदय हुआ है।इस्कॉन केंद्र से लोग जुड़कर धर्म की तरह-तरह की जानकारियां पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से पा रहे हैं।केंद्र में सत्संग भी हो रहा है जिसमें भी सभी लोग शामिल हो रहे हैं और बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

इस्कॉन केंद्र ने लोगों के मिल रहे सहयोग से अनूपपुर के इतिहास में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रस का यात्रा को निकालने का बेड़ा उठाया है।जिसकी तैयारियां भी लगभग पूर्ण हो चुकी है और नगर के लोगों का अच्छा सहयोग भी इस्कॉन केंद्र को मिल रहा है।अभी तक अनूपपुर के लोग अन्य क्षेत्रों में जाकर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा देखते थे लेकिन अब उन्हें अनूपपुर में ही देखने को मिलेगी।यह प्रथम वर्ष है आने वाले वर्षों में जगन्नाथ

पुरी की तरह भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आनंद लोग ले पाएंगे।

अनूपपुर शहर सहित गांव-गांव में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर अति उत्साह है।सभी को 5 जुलाई 2025 का बेसब्री से इंतजार है।अभी तक लोग जगन्नाथ पुरी इसके साथ ही शहडोल,बिलासपुर जाकर भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को देखते थे।लेकिन अब उन्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी।इस्कॉन केंद्र खुलते ही अनूपपुर में धर्म की आस्था देखते ही बनने लगी।लोगों का झुकाव धर्म के प्रति बढ़ता ही जा रहा है।

शहर में इस्कॉन केंद्र की स्थापना कुछ समय पूर्व की गई।इस्कॉन केंद्र में प्रति सप्ताह रविवार को सायं 05 बजे से 07 बजे तक सत्संग का आयोजन होता है एवं अन्य धार्मिक आयोजनों का सिलसिला लगातार जारी है।इस्कॉन केंद्र ने सभी के सहयोग से प्रथम बार अनूपपुर में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकालने का बीड़ा उठाया है जिसकी तैयारियां जोर-शोर से जारी है।

इस्कॉन केंद्र की स्थापना के साथ ही आने वाले समय में अनूपपुर में भी इस्कॉन मंदिर की स्थापना की जाएगी।इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

इस्कॉन केंद्र के प्रमुख अनूपपुर केंद्र के प्रभारी चैतन्य मनोहर दास एवं प्रशांत पांडे ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 5 जुलाई 2025 को निकाली जाएगी।

रथ यात्रा के मार्ग का निर्धारण किया जा चुका है।भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा शिव मारुति मंदिर,सामतपुर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड,आदर्श मार्ग, स्टेशन चौक,राम जानकी मंदिर,गुरुद्वारा रोड,पीएचई ऑफिस,अंडर ब्रिज,स्मार्ट सिटी से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान में समाप्त होगी।

रथ यात्रा लगभग 1.00 बजे से प्रारंभ होगी, रथ यात्रा के साथ हरिनाम संकीर्तन,भक्तों के द्वारा नृत्य,महाप्रसाद वितरण होगा।उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में रथयात्रा का समापन कार्यक्रम आयोजित होगा।

समापन कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान जगन्नाथ को छप्पन भोग लगाया जाएगा।जिसके लिए स्थानीय निवासी भगवान जगन्नाथ के लिए सात्विक भोग जिसमें कच्चा भोजन और मिष्ठान इत्यादि जो कुछ भी वक्त भगवान को अर्पित करना चाहे ला सकते हैं।छप्पन भोग के पश्चात भगवान जगन्नाथ की आरती होगी और वरिष्ठ भक्तों के द्वारा भगवान जगन्नाथ की कथा,भजन कीर्तन एवं फिर सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था होगी।

अनूपपुर क्षेत्र वासियों पर भी ध्यान दीजिए जीएम साहब

आज बिलासपुर जी.एम. संरक्षा निरीक्षण दौरा के तहत पहुंचेंगे उमरिया, शहडोल एवं अनूपपुर जं. कुछ जनअपेक्षाएं

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश आज 4 जुलाई 2025 को झलवारा से अनूपपुर रेलखंड तक संरक्षा निरीक्षण करेंगे।

इस निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत उमरिया स्टेशन का निरीक्षण लगभग प्रातः 11.15 बजे से 12.45 बजे तक व शहडोल स्टेशन का निरीक्षण लगभग 14.30 बजे से 16.00 बजे तक रहेगा।बताया गया है कि 16.00 बजे वह अनूपपुर जं. के लिए प्रस्थान करेंगे।

पूरे संसदीय क्षेत्र शहडोल में रेलवे की कुछ अपेक्षाएं बिलासपुर के महाप्रबंधक से हैं।कोरोना के बाद से कुछ ट्रेन बंद हो गई जिसमें अंत्योदय एक्सप्रेस महत्वपूर्ण ट्रेन थी।इसके अलावा कई स्टॉपेज बंद कर दिए गए।उसके बाद धीरे-धीरे राजनीतिक एप्रोच पर चालू होना चालू हुए उसके

बावजूद भी अभी भी कई स्टॉपेज बहाल होना बाकी है।जिस पर रेलवे के महाप्रबंधक को संज्ञान लेना चाहिए और राजनीतिक एप्रोच का इंतजार ना कर अपने स्वविवेक से जन मानस को सुविधा देने के लिए सभी स्टॉपेज को बहाल करें।जिससे जनता रेल गाड़ी का लाभ उठा सके।

रेलवे महाप्रबंधक जी शहडोल संसदीय क्षेत्र के के अंतर्गत चंदिया से लेकर वेंकट नगर एवं सीआईसी रेल सेक्शन में अनूपपुर से लेकर बिजुरी रेलवे स्टेशन तक आपको ध्यान देना आवश्यक है।जिससे समस्याओं का समाधान हो सके।शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने कई मांगे की लेकिन आपकी रेलवे द्वारा उनकी सभी मांगों पर विचार नहीं किया गया और बहाने बाजी कर सभी मांगों को रिजेक्ट कर दिया गया जो उचित नहीं है।

शहडोल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रमुख मांगे एक नजर में इस प्रकार हैं- कोरोना के पहले के सभी ट्रेनों के स्टॉपेज बिलासपुर-कटनी-बिलासपुर,अनूपपुर-चिरमिरी - अनूपपुर एवं अनूपपुर-अंबिकापुर-अनूपपुर के अंतर्गत आने वाले सभी स्टेशनों का स्टॉपेज बहाल किया जाए। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण मांगे इस प्रकार हैं-

ट्रेन नंबर 22169/22170 रानी कमलापति- संतरागाछी-रानी कमलापति का स्टॉपेज अनूपपुर एवं उमरिया रेलवे स्टेशन में हो।ट्रेन नंबर 11202/11201 शहडोल- नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस का विस्तार अनूपपुर या अंबिकापुर तक किया जाए,यह ट्रेन घाटे में चल रही है।या इस ट्रेन को सप्ताह में तीन दिन शहडोल-अनूपपुर-उसलापुर होकर नागपुर तक चलाया जाए।ट्रेन नंबर 11751/11752 रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस जो सप्ताह में 3 दिन चल रही है इसे नियमित किया जाए।ट्रेन नंबर 51755/51756 चिरमिरी-अनूपपुर-चिरमिरी ट्रेन नियमित की जाए जो सप्ताह में 3 दिन चल रही है।ट्रेन नंबर 18755/18756 शहडोल-अंबिकापुर-शहडोल जो छात्र-छात्राओं के लिए वरदान है का स्टॉपेज अमलाई रेलवे स्टेशन पर हो,यहां पर एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेन रूकती है।ट्रेन नंबर 22407/22408 अंबिकापुर-निजामुद्दीन-अंबिकापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का स्टॉपेज कोतमा रेलवे स्टेशन पर दिया जाए एवं ट्रेन को नियमित किया जाए। बिलासपुर रेलवे महाप्रबंधक जी अगर आप इतनी मांगे पूरी करा दे तो निश्चित ही पूरे संसदीय क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा।

पोस्ट ऑफिस जमीन कब्जे को लेकर जिला सत्र न्यायाधीश ने याचिका निरस्त की

अनूपपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल मैडम ने अनूपपुर पोष्ट आफिस की भूमि पर याचिकाकर्ता नौसाबा सहीन पत्नी मोहम्मद असलम और मोहम्मद असलम पिता इसहाक मोहम्मद को स्थगन देने से इंकार करते हुये उनके स्थगन अपील को निरस्त कर दिया।

मामले में शासन और पोष्ट आफिस अनूपपुर की ओर से जिला शासकीय अभिभाषक अनूपपुर पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने पैरवी की।

जिला शासकीय अभिभाषक अनूपपुर पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुये बताया कि नौसाबा सहीन पत्नी मोहम्मद असलम और मोहम्मद

असलम पिता इसहाक मोहम्मद ने पोस्ट ऑफिस की शासकीय भूमि खसरा नं0 296/2 रकवा 0.101 हेक्टेयर पर अवैध वाउन्ड्री वाल बनाकर अवैध कब्जा कर लिया गया था जिसे प्रशासन द्वारा नियमानुसार अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये उक्त अवैध दीवाल को गिरा दिया और पोष्ट आफिस अनूपपुर ने अपनी उक्त भूमि पर नियमानुसार कब्जा कर भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। वादी नौसाबा सहीन पत्नी मोहम्मद असलम और मोहम्मद असलम पिता इसहाक मोहम्मद ने माननीय व्यवहार न्यायाधीश अनूपपुर पारूल जैन के समक्ष दावा प्रस्तुत करते हुये स्थगन का आवेदन भी प्रस्तुत किया जिसकी विधिवत सुनवाई की जा कर न्यायालय ने वादी के आवेदन को निरस्त कर दिया। जिससे असंतुष्ट होकर वादिया और उसके पति ने अपीलीय न्यायालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल मैडम के समक्ष अपील प्रस्तुत की जिसकी न्यायालय द्वारा विधिवत सुनवाई की गई और वादी और प्रतिवादीगण के तर्क श्रवण किये गये। अपीलीय न्यायालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल मैडम ने अपीलार्थी नौसाबा सहीन पत्नी मोहम्मद असलम और मोहम्मद असलम पिता इसहाक मोहम्मद की उक्त दोनों अपील 15/24 और 16/24 को निरस्त कर निचली अदालत के आदेश को सही माना और पोष्ट ऑफिस अनूपपुर की भूमि पर किसी भी प्रकार की स्थगन देने से इंकार कर दिया।

देवास विकास योजना के संबंध में जिला समिति की बैठक आयोजित

जिला समिति की बैठक में देवास के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। देवास विकास योजना 2041 (प्रारूप) तैयार करने के संबंध में जिला समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में देवास विधायक गायत्री राजे पवार, हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी, कलेक्टर ऋतुराज सिंह, रायसिंह सेंधव सहित, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शर्मा, डिप्टी डायरेक्टर टीएनसीपी अनिता कुरोठे सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

देवास विकास योजना की जिला समिति की बैठक में देवास विकास से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में देवास में प्रस्तावित

विकास योजनाओं की समीक्षा की गई और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों से देवास विकास योजना के संबंध में आपत्ति और सुझाव सोमवार तक मांगे गये है, जिसपर सुनवाई कर विकास योजना मंजूरी के लिए राज्य शासन को प्रेषित की जायेगी।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गये, ताकि वे विकास योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकें। बैठक में भविष्य की विकास योजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गये। देवास वि?कास योजना 2041 देवास शहर के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे देवास शहर के विकास को गति मिलेगी और नागरिकों के जीवन में सुधार होगा।

देवास शहर में कहां-कहां पर विकास कार्य होना है, इस संबंध में बैठक में डिप्टी डायरेक्टर टीएनसीपी अनिता कुरोठे द्वारा जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि देवास विकास योजना 2041 में वर्धित निवेश क्षेत्र में कुल 32 गांव सम्मिलित है। उन्होंने देवास विकास योजना 2041 में प्रस्तावित कार्यो के सबंध में सभी समिति सदस्यों को विस्तार से अवगत कराया और समिति सदस्यों से आपत्ति और सुझाव मांगे, जिनका निराकरण कर राज्य शासन को विकास योजना मंजूरी के लिए भेजी जा सकें।

थाना सतवास पुलिस ने किया मोबाइल टॉवर पर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- रात्रि में सूने टॉवरों पर देते थे चोरी करने की घटना को अंजाम

- 24 बैटरियां कीमती 02 लाख रुपये एवं चार पहिया वाहन कीमती 04 लाख रुपये कुल मश्रुका 06 लाख रुपये का जप्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। संक्षिप्त विवरण 23 जून 2025 को थाने पर सूचना प्राप्त हुई की ग्राम खिरोदा में लगें मोबाइल टॉवर पर दिनांक 17.06.2025 से 23.06.2025 के बीच टॉवर में लगी 24 बैटरियों को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया है। रिपोर्ट पर थाना सतवास पर अपराध क्रमांक 255/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस 2023 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

(यातायात) हरनारायण बाथम के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद आदित्य तिवारी के निर्देशन में थाना प्रभारी सतवास बी.डी.बीरा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई । टीम द्वारा पांगरी फाटे पर सघन चैकिंग लगाई गई । दौरान चैकिंग पांगरी फाटे पर एक सफेद रंग की संदिग्ध कार दिखी जिसमे सवार व्यक्तियों से पूछताछ करते अपना नाम अफजल पिता हन्नू खान उम्र 27 साल ?निवासी कुलहरदा जिला हरदा एवं साथ मे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुखराम पिता सदाराम मालवीय उम्र 29 साल निवासी ग्राम मांदला जिला हरदा हालमुकाम खातेगांव का होना बताया । दौराने वाहन तलाशी उक्त वाहन मे 12 नग बेटरी रखी मिली जिसके बारे मे सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा बैटरियां ग्राम खिरोदा टावर से चोरी करना स्वीकार किया । पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई 24 बैटरियां कुल कीमत 02 लाख रुपये एवं घटना मे प्रयुक्त चार पहिया वाहन कीमती 04 लाख रुपये कुल मश्रुका 06 लाख रुपये का जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

गिरफ्तार आरपी के नाम

1.अफजल पिता हन्नू खान उम्र 27 साल निवासी कुलहरदा जिला हरदा

2.सुखराम पिता सदाराम मालवीय उम्र 29 साल निवासी ग्राम मांदला जिला हरदा हाल.मुकाम खातेगांव

सराहनीय कार्य: उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी सतवास बीडी बीरा, उनि विजय जाट, प्रआर गणेश रावत, आर राजेन्द्र राजपुत, अनिल भाभर, दिव्य राठौर, लोकेन्द्र, सैनिक खुबीराम गुर्जर एवं सायबर सेल से प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर,सचिन चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

अब होगा एक्शन और मॉन्स्टर्स का फुलऑन धमाका! एंड पिक्चर्स ला रहा है

- धमाकेदार फिल्म फेस्टिवल- 'चीनीवुड : मॉन्स्टर एडिशन'

मुंबई। इस मानसून, तैयार हो जाइए एक ऐसे तूफान के लिए जो बारिश से नहीं, बल्कि आग उगलते राक्षसों, काले जादू और जबर्दस्त जंग से भरा होगा। इस जुलाई, एंड पिक्चर्स पेश कर रहा है चीनीवुडः मॉन्स्टर एडिशन

– एक अनोखा फिल्म फेस्टिवल, जहां फैंटेसी और फ्यूरी आमने-सामने होंगे, और राज करेंगे खतरनाक मॉन्स्टर्स। तो एंड पिक्चर्स के साथ कदम रखिए उस दुनिया में, जहां एनर्जी है फुलऑन और रोमांच है बेमिसाल। 04 जुलाई से, हर शुक्रवार, एंड पिक्चर्स लेकर आएगा एक बेहद रोमांचक सफर - ऐसी मॉन्स्टर मूवीज़ के साथ, जो जबर्दस्त एक्शन से भरपूर होंगी, जहां आमने-सामने होंगे साहसी योद्धा और खौफनाक राक्षस, और जादुई कहानियां। इन फिल्मों में आप रहस्यमयी दुनिया की सैर करेंगे, जबर्दस्त लड़ाइयां देखेंगे, और महसूस करेंगे उन कहानियों का जादू जहां कुछ भी मुमकिन है। चाहे वो आसमान में उड़ता ड्रैगन हो या अंधेरे में छिपा कोई रहस्यमयी साम्राज्य – हर फिल्म देगी आपको थ्रिल, ड्रामा और ऐसे पल जो आप कभी नहीं भूलेंगे। एंड पिक्चर्स हमेशा से अपने युवा दर्शकों के लिए नया और कुछ अलग एंटरटेनमेंट पेश करता रहा है। इसकी दमदार प्रोग्रामिंग में भारत और दुनियाभर की फिल्मों का जबर्दस्त संगम है। इन्हीं पेशकशों में से एक है चीनीवुड, जो अपने भव्य विजुअल्स और हाई-एनर्जी कहानियों के लिए दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुका है। अब उसी चीनीवुड का अगला स्तर है – मॉन्स्टर एडिशन, जिसमें होंगे खतरनाक जीव, हैरतअंगेज़ एक्शन और बिना रुके चलने वाला एडवेंचर।

ये एडिशन वाकई में एक मॉन्स्टर हिट बनेगा जो लेकर आएगा ताज़गी, थ्रिल और एक ऐसा सिनेमाई अनुभव जो आम नहीं, बेहद खास होगा।

फिल्मों का लाइनअप

स्नेक आइलैंड पाइथनः 4 जुलाई, शुक्रवार, रात 10 बजे

क्रोकोडाइल आइलैंडः 11 जुलाई, शुक्रवार, रात 10 बजे

बिग स्नेक किंगः 18 जुलाई, शुक्रवार, रात 10 बजे

मेगा क्रोकोडाइलः 25 जुलाई, शुक्रवार, रात 10 बजे

स्नेक केवः 1 अगस्त, शुक्रवार, रात 10 बजे

हॉरर शार्क 8 अगस्त, शुक्रवार, रात 10 बजे

डेविल इन ड्यूनः 15 अगस्त, शुक्रवार, रात 10 बजे

अनकेज्डः 22 अगस्त, शुक्रवार, रात 10 बजे

एलियन 2042: 29 अगस्त, शुक्रवार, रात 10 बजे

शेनॉग सैवेजः 5 सितम्बर, शुक्रवार, रात 10 बजे

स्नेकः 12 सितम्बर, शुक्रवार, रात 10 बजे

एस्केप ऑफ शार्कः 19 सितम्बर, शुक्रवार, रात 10 बजे

'डेविल इन ड्यून' में जब रेगिस्तान से उठती है एक प्राचीन बुराई और एक अकेला योद्धा उसका सामना करता है, तो रोमांच अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाता है। वहीं शेनॉग सैवेज में जंगल की गहराइयों में जागता है लंबे समय से गुम हुआ एक दैत्य, जो अपनी पूरी ताकत के साथ तबाही मचाने को तैयार है। 'एलियन 2042' में चलिए भविष्य की ओर – जहां एक रहस्यमयी हमला पृथ्वी को संकट में डाल देता है, और मानवता को बचाने के लिए एक असंभव-सी टीम वक्त की तेज रफ्तार के साथ मुकाबला करती है। इन जबर्दस्त कहानियों के साथ और भी बहुत कुछ है इस फेस्टिवल में – मॉन्स्टर का फुलऑन आतंक और जादुई फैंटेसी, सिर्फ एंड पिक्चर्स पर। हर हफ्ते एक वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के साथ चीनीवुडः मॉन्स्टर एडिशन लाएगा बड़ी कहानियां, धमाकेदार एक्शन और ऐसे भयानक जीव जो आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। अगर आपको पसंद है फैंटेसी, लोककथाएं या फिर परिवार के साथ बैठकर कुछ मज़ेदार देखना – तो यह वीकली मूवी फेस्ट आपके लिए परफेक्ट है। तो तैयार हो जाइए फुल-ऑन मॉन्स्टर एक्सपीरियंस के लिए – चीनीवुडः मॉन्स्टर एडिशन, शुरू हो रहा है 4 जुलाई से, हर शुक्रवार रात 10 बजे, सिर्फ़ एंड पिक्चर्स पर।

अदाणी-इस्कॉन रसोई में हाईटेक व्यवस्था

पारंपरिक मूल्यों और जैविक जीवनशैली का बेमिसाल संगम

पुरी की रथयात्रा न केवल आस्था का पर्व है, बल्कि सेवा, समर्पण और सादगी की मिसाल भी है। इस साल अदाणी समूह और इस्कॉन की साझेदारी में जो विशाल प्रसाद रसोई संचालित हो रही है, वह आधुनिक तकनीक, पारंपरिक मूल्यों और जैविक जीवनशैली का बेमिसाल संगम बन गई है। इस रसोई की खास बात है कि यहां उपयोग होने वाला ज्यादातर खाने का सामान जैविक (ऑर्गेनिक) हैं। हर दिन करीब 3 से 4 टन चावल, 500 किलो आटा और 4 से 5 टन दाल जैविक स्रोतों से लेकर पकाई जाती है। यहां का प्रसाद केवल स्वाद से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता से भी परिपूर्ण है।

स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के लिए यहां एफएसएसएआई के दिशा-निर्देशों और आईएसओ 22000 एचएसीपी के मानकों का पालन हो रहा है। हर प्रक्रिया को तय मानकों के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। चाहे वो सब्जियों की धुलाई हो या दालों की भिगोने की प्रक्रिया, हर कदम पर गुणवत्ता और स्वच्छता का ध्यान रखा जा रहा है।

स्टोरेज व्यवस्था भी अत्याधुनिक है। मुख्य रसोई परिसर के पास दो अलग-अलग स्टोरेज सुविधा के लिए एक बड़ा स्टोरेज और एक छोटा वेयरहाउस है। इसके अतिरिक्त, सब्जियों और डेयरी उत्पादों के लिए एक समर्पित कोल्ड स्टोरेज यूनिट भी बनाई गई है, ताकि तापमान और नमी से खाद्य सामग्री की गुणवत्ता प्रभावित न हो। इससे भोजन की ताजगी और पोषण बना रहता है।

यह पूरी रसोई व्यवस्था चौबीसों घंटे चल रही है। लगभग 500 लोग अलग-अलग शिफ्ट में काम कर रहे हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क प्रसाद समय पर मिल सके। सेवा में लगे ये लोग न केवल भोजन बना रहे हैं, बल्कि एक आस्था की ऊर्जा को प्रसारित कर रहे हैं। इस रसोई में बनने वाला भोजन भक्तों के लिए सिर्फ अन्न नहीं, बल्कि प्रसाद है जिसमें श्रद्धा, पवित्रता और सेवा का अद्वितीय भाव है। यहां बनने वाला हर व्यंजन जैसे भात, दाल, सब्ज़ी, खिचड़ी और खीर, स्वाद में भी बेजोड़ है और श्रद्धा में भी। इस बार की रथयात्रा में अदाणी-इस्कॉन रसोई ने यह साबित कर दिया है कि जब सेवा का भाव तकनीक और गुणवत्ता से जुड़ता है, तो वह एक नई परंपरा का जन्म देता है। यह रसोई सिर्फ भोजन नहीं दे रही, बल्कि लोगों को यह भी सिखा रही है कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता साथ चल सकती हैं।

आईजी, डीआईजी एवं एसपी देर रात पहुंचे ग्राम अलापुर, घटनास्थल का मुआयना किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात को ग्राम पंचायत अलापुर की सरपंच श्रीमती मंजू-राजकुमार यादव के घर लगभग डेढ़ करोड़ की लूट के मामले में बुधवार की देर रात आईजी, डीआईजी एवं एसपी पहुंचे। 02 जुलाई को चंबल रेंज के आईजी सचिन अतुलकर, डीआईजी सुनील जैन, एसपी समीर सौरव ने रात लगभग 12:00 बजे अलापुर पहुंचकर फरियादी राजकुमार यादव से लूट की घटना के संबंध में और अधिक विस्तार से इस आशय से जानकारी हासिल की, जिससे कि लूट को जल्दी से जल्दी ट्रेस किया जा सके। सचिन अतुलकर ने फरियादी के मकान में जिस कमरे से लूट की गई उसको भी देखा। नगद कितनी राशि गई, कितना सोना गया उसके संबंध में विस्तार पूर्वक बातचीत की, वहीं दूसरी तरफ पुलिस द्वारा महिला सरपंच के घर डेढ़ करोड़ की लूट के मामले को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है।

सरपंच के घर हुई लूट की वारदात को ट्रेस करने में लगी हैं दर्जन भर पुलिस की टीम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लूट को ट्रेस करने के लिए स्थानीय पुलिस की टीम तो लगी हुई है इसके अलावा साइबर क्राइम मुरैना बागचीनी, देवगढ़, नूराबाद, कैलारस, बानमोर सहित दर्जन भर अलग-अलग स्थानों की टीम में भी लूट को ट्रेस करने के लिए दिन-रात प्रयास कर रही हैं। पुलिस टीम द्वारा अपने-अपने एंगल से जांच की जा रही है, जिस-जिस रास्ते से लुटेरे भाग सकते हैं उन सभी रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य जानकारी भी हासिल करने का पूरा प्रयास पुलिस की टीम में कर रही है। ग्रामीणों में हो रही चर्चाओं पर यदि यकीन किया जाए तो लुटेरे वारदात करने के बाद स्विफ्ट कार से भागे हैं। लूट की वारदात के बाद स्निफर डॉग की भी मदद ली गई, लेकिन डॉग रामजानकी मंदिर तक ही पहुंच सका। चर्चाओं और सूत्रों की बातों पर यदि यकीन किया जाए तो अगले दो से तीन दिनों में डेढ़ करोड़ की लूट का पर्दाफाश हो सकता है। लुटेरे भी पकड़े जा सकते हैं।

इनका कहना है:-

बुधवार की रात को आईजी, डीआईजी के साथ में फरियादी राजकुमार यादव के निवास पर गए थे। आईजी एवं डीआईजी ने फरियादी से रूबरू लूट की घटना को लेकर विस्तृत चर्चा की थी।

समीर सौरव
एसपी मुरैना

जिले में अब तक 292.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 03 जुलाई, 2025 तक 292.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 175.6 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 117.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना ने बताया कि जिले में 01 जून से 03 जुलाई तक सर्वाधिक वर्षा मुरैना में 421.6 मिलीमीटर दर्ज की गई है। पोरसा में 360, सबलगढ़ में 282, जौरा में 242, कैलारस में 230 और अम्बाह तहसील में सबसे कम 221.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

03 जुलाई, गुरूवार को सर्वाधिक 20 मिलीमीटर वर्षा सबलगढ़ में दर्ज की गई है। कैलारस में 12, अम्बाह-जौरा में 5 और मुरैना में 1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

ट्रैक्टर चोरी करने वाला आरोपी पोरसा पुलिस ने दबोचा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिनांक को 29.06.25 को फरियादी राममूर्ति पिता रामजीलाल शर्मा निवासी ग्राम धर्मगढ़, थाना पोरसा ने थाना हाजा पर उपस्थित होकर अपने लाल रंग स्वराज कंपनी के ट्रेक्टर क्रमांक एमपी06-जेडसी-5203 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रात्रि में चोरी कर ले जाने संबंधी रिपोर्ट की गई। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर थाना पोरसा पर अपराध क्रमांक 168 / 25 धारा 303 (2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा उक्त अपराध को गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अज्ञात आरोपी की पातरसी - गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल - मशरूका की बरामदगी हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर थाना प्रभारी पोरसा को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह रवि प्रकाश भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पोरसा द्वारा गठित टीम के साथ घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज चैक किए गए एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान दिनांक 02.07.25 को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि 01 व्यक्ति स्वराज कंपनी का लाल रंग का एक ट्रेक्टर अटेर के रास्ते आगरा की ओर ले जाने वाला है। मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा नगरा -अटेर के रास्ते पर दबिश देकर 01 आरोपी को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ की गई तो उसके द्वारा चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किया गया। बाद आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया टैक्टर कीमती करीबन 6,00,000/- का जब्त कर बरामद किया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी पूर्व से भी आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष का स्वागत किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव एवं संभागीय अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया, जिला समन्वय अधिकारी सतीश सिंह तोमर, ब्लॉक अधिकारी राधाचरण पुरोहित का सम्मान भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर आगंतुक वरिष्ठजनों का साफा बांधकर तथा तलवार भेंटकर डॉ. सुरेंद्र सिंह तोमर पूर्व मंडी उपाध्यक्ष के द्वारा अपने उपस्थित साथियों के साथ भव्य रूप से किया गया। इसी तरह नगर के विभिन्न स्थानों पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष का स्वागत हुआ। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में रणवीर सिंह तोमर सचिव, सुरेंद्र सिंह सिकरवार, रामकरण सिंह तोमर, पूरन सिंह तोमर, राजपाल सिंह, रामप्रकाश सिंह एडवोकेट, रामपाल सिंह, विश्राम सिंह परमार, वीरेंद्र सिंह, रामअवतार सिंह एवं डॉ. रामनारायण शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद थे।

जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन भोपाल के बी.एस. रावत व राकेश सहरिया ने मुरैना जिले का भ्रमण किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन भोपाल के बी.एस. रावत व राकेश सहरिया ने गत दिवस मुरैना जिले का भ्रमण किया। उन्होंने पीएम जनमन और धरती आबा अभियान के अंतर्गत सहरिया बसाहटों में विभागों द्वारा किए गए कार्य एवं गैप आइडेंटिफिकेशन की जानकारी ली।

ग्राम मानपुर में पीएम जनमन आवास निर्माण, विद्यालय व आंगनबाड़ी का अवलोकन किया

उन्होंने ग्राम मानपुर में पीएम जनमन आवास निर्माण, विद्यालय और आंगनबाड़ी का अवलोकन किया। सहरिया जन से योजनाओं के सम्बन्ध में फीड बैक लिया। पहाड़गढ़ में शहद संग्रहण एवं प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर स्व-सहायता समूह की दीदियों से संवाद किया एवं सहरिया समुदाय की आजीविका में बढ़ोतरी हेतु आजीविका मिशन के कार्यों की सराहना की। ग्राम सिंगारदे में पशुपालन विभाग द्वारा प्रदत्त दुधारू पशु का अवलोकन कर हितग्राहियों से चर्चा की। तत्पश्चात ग्राम कन्हार में आदिवासी बालक आश्रम एवं नाबार्ड द्वारा प्रदाय फलदार पौधारोपण का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग सौरभ सिंह राठौर, डीपीएम एनआरएलएम दिनेश तोमर, डिप्टी डायरेक्टर वेटेरिनरी ब्रिज किशोर शर्मा सहित ब्लॉक व कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले के जनपद स्तर पर रोजगार मेला 08 से 11 जुलाई तक

मुरैना। मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत मुरैना द्वारा जनपद स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन 08 से 11 जुलाई 2025 तक प्रातः 10 से अपरान्ह 04 बजे तक किया जाना है। जानकारी के अनुसार 8 जुलाई को जनपद पंचायत हॉल अम्बाह में, 9 जुलाई को जनपद पंचायत हॉल कैलारस में, 10 जुलाई को जनपद पंचायत सबलगढ़ और 11 जुलाई को जनपद पंचायत हॉल मुरैना में रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। रोजगार मेले में बेरोजगार युवक कक्षा 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट, आईटीआई व अन्य डिप्लोमाधारी भाग ले सकते हैं।

खंडेलवाल को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा मंडल दिमनी ने मिष्ठान वितरण किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। संगठन महापर्व 2025 के चुनाव अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को नवनिर्वाचित होने पर दिमनी विधानसभा की दिमनी मंडल अध्यक्ष रामनरेश परमार के नेतृत्व में मिठाई वितरण कर हर्ष उल्लास के साथ बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी मंडल के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके भविष्य की कामना कर पार्टी को बुलंदियों पर ले जाने का काम करेंगे। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी गंगा सिंह तोमर, राकेश सिंह तोमर, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह तोमर पिंटू, सुरेंद्र सिंह तोमर, जितेंद्र सोनी, मीडिया प्रभारी अपनेश तोमर उपस्थित रहे।

रोड एक्सीडेंट के घायलों की मदद करने वाले को मिलेगा इनामः अर्चना परिहार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोड एक्सीडेंट के घायलों की मदद करने वालों को अब सरकार द्वारा इनाम देने की घोषणा की गई है। यह बात क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार ने प्रेस वक्तव्य में कही है। प्रेस को जारी अपने वक्तव्य में श्रीमती परिहार का कहना है कि सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए विशेष योजनाएं के तहत राहगीर योजना के अंतर्गत जो भी व्यक्ति रोड एक्सीडेंट में घायलों की मदद करेंगे उन्हें 25000 इनाम दिए जाएंगे। रोड एक्सीडेंट के दौरान मृतकों की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से शासन द्वारा राहगीर योजना चलाई जा रही है। इस योजना अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल को गोल्डन हायर दुर्घटना के 1 घंटे के अंदर अस्पताल पहुंचाएगी तो उसको 25000 नगद दिए जाएंगे, साथ ही प्रमाण पत्र भी मिलेगा। उक्त राहगीर में से ही सबसे योग्य 10 लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपए और मिलेंगे। उक्त योजना में प्रति व्यक्ति को साल में सिर्फ पांच प्रकरणों में अवार्ड दिया जाएगा, जिसका चयन कलेक्टर की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी। उक्त योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। इसके संबंध में जानकारी पुलिस अस्पताल से भी कमेटी लिया करेगी। श्रीमती अर्चना परिहार का यह भी कहना है कि पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना दिनांक से अधिकतम सात दिवस की अवधि में नाम निर्दिष्ट अस्पताल में उपचार करने पर अधिकतम डेढ़ लाख तक का उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा एवं हिट एंड रन योजना के अंतर्गत यह किसी व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल होता है तो वह हिट एंड रन मोटर एक्सीडेंट स्कीम के तहत मुआवजा हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। इस हेतु व संबद्ध क्षेत्र के एसडीएम जो कि इस योजना अंतर्गत दावा जांच अधिकारी हैं उनके समक्ष अपील भी प्रस्तुत कर सकता है। उक्त निधि से गंभीर घायल व्यक्ति को 50000 एवं दुर्घटना में मृत्यु होने की स्थिति में 2 लाख तक का मुआवजा शासन द्वारा पीड़ित या परिवार को उपलब्ध कराया जाएगा।

मोक्षदायक है श्रीमद् भागवत कथा का श्रवणः कान्हा महाराज

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा शुरू

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से पृथ्वी के प्रत्येक जीव के पापों का ह्रास होता है और यह मोक्ष भी प्रदान करती है। यह बात अम्बाह बायपास स्थित कान्हा रिसॉर्ट में गुरुवार से शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा में पंडित कृष्णकांत कौशिक कान्हाजी महाराज ने कही।

श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व शहर के विभिन्न मार्गों से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा बड़ोखर स्थित चिंतामणि हनुमान मंदिर से शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर चल रहे थे। बैंड-बाजों के साथ बज रहे भजनों के बीच पूर्व विधायक बलवीर सिंह डंडौतिया, राधाचरण डंडौतिया अपने सिर पर भागवत की पोथी रखकर चल रहे थे। यह कलश यात्रा कान्हा रिसॉर्ट पर समाप्त हुई, जहां कथा से पूर्व 51 जोड़ों के साथ पितृपूजा कराई गई।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के लिए जिला अधिकारियों को सौंपे दायित्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं।

जिनमें कानून व्यवस्था के लिए अपर कलेक्टर को नियुक्त किया है। शिकायत प्रकोष्ठ के लिए, अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, खनिज अधिकारी तथा सहायक के रूप में प्रभारी शिकायत शाखा एवं पिछड़ा वर्ग मुरैना को दायित्व सौंपे है। मतदान केन्द्र व्यवस्था के लिए सीईओ जिला पंचायत और डीपीसी व सहायक अनुविभागीय अधिकारी को सहायक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी है। निर्वाचन प्रक्रिया प्रकोष्ठ के लिए मतदान दलों के गठन हेतु सीईओ जिला पंचायत और सहायक के रूप में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, पॉलीटेक्निक कॉलेज, जिला आपूर्ति अधिकारी व परियोजना अधिकारी को दायित्व सौंपे है। परिवहन प्रकोष्ठ के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और सहायक के रूप में जिला आपूर्ति नियंत्रक एवं संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को दायित्व सौंपे है। मतदाता जागरूकता प्रकोष्ठ के लिए सीईओ जिला पंचायत और सहायक के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी व परियोजना अधिकारी, संबंधित जनपद सीईओ को दायित्व सौंपे है। कंट्रोल रूम प्रकोष्ठ के लिए खनिज अधिकारी और सहायक के रूप में जिला प्रबंधक लोकसेवा, जिला योजना और परियोजना को दायित्व सौंपे है। नाम-निर्देशन पत्र एकत्रित करने के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी और सहायक के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर समस्त जनपद पंचायत को दायित्व सौंपे है। मतपत्र प्रकोष्ठ के लिए जिला कोषालय अधिकारी और सहायक पेंशन अधिकारी को दायित्व सौंपे है। ईव्हीएम, एफएलसी प्रकोष्ठ के लिए, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और सहायक के रूप में जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी, उपयंत्री, जल संसाधन और पॉलीटेक्निक के प्राचार्य को दायित्व सौंपे है। मतदान सामग्री के आंकलन के लिए अधीक्षक भू-अभिलेख और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को दायित्व सौंपे है।

जिला दण्डाधिकारी ने 06 आदतन अपराधियों को किया जिलाबदर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मुरैना अंकित अस्थाना ने पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के प्रस्ताव पर 06 आदतन अपराधियों को जिला बदर किया है, इन आदतन अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न अपराधों के मामले पंजीबद्ध है। जिला दण्डाधिकारी अस्थाना ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 सहपठित धारा 5,6 के प्रावधानों के अंतर्गत यह कार्यवाही की है।

जिन 06 आदतन अपराधियों को जिला बदर किया है, उनमें रामपुरकला निवासी 28 वर्षीय कल्ला उर्फ सतेन्द्र पुत्र अशोक श्रीवास, बाबरखेड़ा फूस का पुरा थाना सरायछोला हाल सिद्धनगर छत्रावास के पीछे वाली गली मुरैना निवासी 22 वर्षीय धारा उर्फ इन्द्रभान गुर्जर पुत्र महेन्द्र सिंह गुर्जर, गोदाम मोहल्ला थाना रामपुरकलां निवासी 30 वर्षीय बन्टी उर्फ गड्डा पुत्र अंगद सिंह जाटव, थाने के सामने सबलगढ़ निवासी 25 वर्षीय आकाश जादौन पुत्र अरविंद जादौन, थाना कोतवाली के अंतर्गत भरभूजा वाली गली चुंगीनाका रोड गोपालपुरा मुरैना निवासी 22 वर्षीय आकाश सिंह सिकरवार पुत्र पदम सिंह सिकरवार, थाना कोतवाली के अंतर्गत हनुमान गली जौरीगांव निवासी 30 वर्षीय दीपू राठौर पुत्र नरेश राठौर के नाम शामिल है। इन आदतन अपराधियों कि आपराधिक, असामाजिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला दण्डाधिकारी ने इन आदतन अपराधियों को आदेशित किया है, कि वह जिला मुरैना एवं उसके निकटवर्ती जिले ग्वालियर, भिण्ड, श्योपुर एवं शिवपुरी की सीमा से 01 वर्ष की अवधि के लिये बाहर चला जाये, बिना पूर्व स्वीकृति के इन जिलों की सीमा में प्रवेश न करें।

जौरा व कैलारस में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में अधीक्षिका, वार्डन पद हेतु आवेदन 14 जुलाई तक

मुरैना। जौरा एवं कैलारस में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में अधीक्षिका, वार्डन पद हेतु आवेदन 14 जुलाई को सायं 04 बजे तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आमंत्रित किये हैं। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रशिक्षण वर्ष 2025-26 हेतु समय-समय पर आवश्यकता अनुसार टेन्ट सामग्री, टेबिल, फर्श, गद्दा, रजाई, सफेदी, कूलर, जनरेटर, तकिया, माइक, पानी, एलसीडी प्रोजेक्टर प्रदाय करने वाली सभी विद्यमान शर्तें पूर्ति कराने वाली फर्मों से आवेदन बंद लिफाफे में आमंत्रित किये हैं। निविदा की अन्य शर्ते व नियम कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कॉलेज चलो अभियान के तहत छात्राओं को मिला उच्च शिक्षा का संदेश

शासकीय महाविद्यालय कैलारस की टीम ने कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में चलाया प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासकीय महाविद्यालय कैलारस द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय

कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कैलारस में एक प्रेरक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें महाविद्यालयीन जीवन, पाठ्यक्रमों और कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय से कॉलेज चलो अभियान के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार लिटोरिया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार उच्च शिक्षा एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करती है। उन्होंने छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं और आगे के रोजगार अवसरों की विस्तार से जानकारी दी।

शासकीय महाविद्यालय कैलारस से दर्शन गिरी गोस्वामी ने बताया उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए चलाई जा रही काउंसलिंग का द्वितीय चरण संपूर्ण हो चुका है एवं तृतीय चरण 05 जुलाई, 2025 से प्रारंभ हो रहा है। शासकीय महाविद्यालय कैलारस में स्नातक पाठ्यक्रम में गणित, जीव विज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस से बी. एस. सी. संचालित है। साथ ही शासन की समस्त योजनाएं गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण, आवास भत्ता, मेधावी, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कैलारस की प्राचार्य श्रीमती प्रीति शर्मा ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने छात्राओं से अपील की, कि वे इस अभियान का लाभ लें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में कॉलेज चलो अभियान समिति सदस्य श्रीमती रुचि गुप्ता, डॉ. प्रशांत चतुर्वेदी की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें विज्ञान, वाणिज्य और कला के क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर उन्मुख करने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी व सहायिका पद की जिला स्तरीय दावे-आपत्ति निराकरण संबंधी बैठक 11 जुलाई को

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी ओम प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ता व सहायिका की जिला स्तरीय दावे-आपत्ति निराकरण संबंधी बैठक 11 जुलाई को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत के सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहेंगी। जबकि सदस्य के रूप में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, महिला बाल विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा देवी, जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा नामांकित सदस्य श्रीमती रेश्मा कुशवाह, संबंधित परियोजना अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग व जिला मुरैना (म.प्र.)

प्र.क. 0001/अ-20(3)/2025-2026 मुरैना दिनांक, 01.07.2025

असिटेंट कमिश्नर आफिसं
कॉमरशियल टेक्स मुरैना
(सतेन्द्र चौरासिया)
बनाम
मध्य प्रदेश शासन

// विज्ञप्ति //

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला मुरैना के अंतर्गत असिटेंट कमिश्नर आफिस कॉमरशियल टेक्स मुरैना (सतेन्द्र चौरासिया) कॉमरशियल टेक्स आफिस के निर्माण हेतु को भूमि आवंटन हेतु ग्राम छौंदा तहसील मुरैना जिला मुरैना में स्थित निम्नानुसार सर्वे नम्बरों की भूमि आवंटित की जाना है :-

तहसील का नाम	ग्राम का नाम	सर्वे क्रमांक	मूल रकवा	आवंटित रकवा
1	2	3	4	5
मुरैना	छौंदा	1104	2.1600 हैo	0.07

उपरोक्त भूमि असिटेंट कमिश्नर आफिस कॉमरशियल टेक्स मुरैना (सतेन्द्र चौरासिया) कॉमरशियल टेक्स आफिस के निर्माण हेतु को भूमि आवंटित किये जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 16.07.2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। प्रकरण में नियत अवधि उपरांत प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह विज्ञप्ति आज दिनांक 01.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी की गई।

अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग मुरैना (म.प्र.)

G15137/25

मुख्यमंत्री कल समरसता सम्मेलन एवं जगन्नाथ यात्रा में शामिल होंगे

– कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कार्यक्रम स्थलों पर पहुँचकर तैयारियों का लिया जायजा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 जुलाई को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस दिन अपरान्ह 3.30 बजे विमान द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पर आगमन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में 5 जुलाई को आयोजित होने जा रहे सभी कार्यक्रम स्थलों का कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को जायजा लिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां 4 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दिन ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित होने जा रहे ÷समरसता सम्मेलन÷ में शामिल होंगे। साथ ही जीवाजी क्लब के समीप पहुँचकर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भी शामिल होंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव गोले का मंदिर मुरैना रोड पर नवनिर्मित आईएसबीटी परिसर में विकास कार्यो के भूमिपूजन व लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव सायंकाल 7 बजे विमानतल पहुँचकर वायुमार्ग द्वारा भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यक्रम स्थलों पर व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंजाम दें, जिससे लोगों को कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने में कोई दिक्कत न हो। साथ ही सड़क आवागमन सुचारू बना रहे। उन्होंने बरसात को ध्यान में रखकर सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश भी दिए। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

निष्ठा, समर्पण एवं अनुशासन विद्यार्थी की सफलता की कुंजी है: डॉ सचदेवा

ग्वालियर। शासकीय विधि महाविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवीन सत्र-2025-26 में प्रवेशित छात्रों को परीक्षा, विषय पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेश कुमार सचदेवा ने दीक्षा आरंभ कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि निष्ठा, समर्पण, और अनुशासन छात्र की सफ्लता की कुंजी है। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अंजुली शर्मा ने छात्रों को विषय पाठ्यक्रम, विधि छात्रों के गणवेश एवं एवं कक्षाओं में छात्रों की अनिवार्य उपस्थित पर जोर दिया। बीए एलएलबी पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ विनोद कांकर ने छात्रों को विषय पाठ्यक्रम एवं ऑनलाइन प्रवेश के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ नरेंद्र सिंह राणा, डॉ अनूप कुमार सिंह, डॉ अखिलेश नाथ त्रिपाठी, डॉ चंद्रकांत लवनियां, डॉ नुसरत अली रिजवी, डॉ आनंद मिश्रा एवं डॉ अनूप कैलासिया ने छात्रों को पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति योजना की जानकारी दी।

कपड़े के बैग का उपयोग करने के लिए किया जागरूक

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग अलग देने के लिए आमजन को जागरूक किया गया तथा प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े के बैग का उपयोग करने के लिए आमजन से आग्रह किया।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि नगर निगम द्वारा वार्ड 13, 34, 45, 60 में डोर टू डोर सेग्रीगेशन कार्य किया गया। हर एक रहवासियों की परेशानियों को समझते हुए और कचरा गाडी को लेकर समस्याओ को सुनते हुए,गिला सूखा कचरा अलग अलग देने के लिए समझाया गया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर वार्ड 34 में, फूलबाग चौराहा और चिड़िया घर, हॉस्पिटल रोड चौराहे पर एवं हजीरा चौराहे पर एक्टिविटी करते हुए लोगों को सन्देश दिया गया और जागरूक करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े के बैग का उपयोग करने के बारे में समझाया गया एवं अपने घर गली मोहल्ले एवं सार्वजानिक स्थानो पर साफ सफाई रखने की समझाइश दी गई।

सनवैली की समस्याओं को लेकर विधायक सतीश सिकरवार को सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर। सनवेली परिसर का एक प्रतिनिधि मंडल सनवैली आरडब्ल्यूए अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल के नेतृत्व में साथ विधायक डा. सतीश सिकरवार से मिला और व्याप्त समस्याओं को लेकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से विधायक सिकरवार को अवगत कराया गया कि सनवैली परिसर में 950 से अधिक रहवासीगण के परिवार निवासरत है तथा विगत 07 वर्ष से नियमित प्रतिवर्ष शत प्रतिशत हाउस टैक्स नगर निगम को अदा करते आ रहे हैं, साथ ही कचरा कलेक्शन का रुपया भी प्रति माह नियमित देते हैं। लेकिन नगर-निगम की ओर से हमें कोई सुविधा नहीं मिल पाती है। सनवैली वासियों ने मांग की कि सनवेली के नजदीक आसपास जहां पर्याप्त पानी हो, वहां शासकीय भूमि पर बोरिंग करवाकर दी जाए ताकि सनवेली को जल की आपूर्ति हो सकें। ज्ञापन देने वालों में वार्ड 60 के पार्षद कल्याण सिंह, उपाध्यक्ष पंकज बंसल, संचालक केसी मखीजा, वरिष्ठ सदस्य आरएस जादौन, अजय सिंहल एवं श्याम सुंदर डूसेजा शामिल थे।

गंदगी मिलने पर दो सहायक स्वच्छता अधिकारियों को नोटिस

ग्वालियर। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी मिलने पर सहायक स्वच्छता अधिकारी शरण कुमार क्षेत्र क्रमांक 03,04,05 एवं सहायक स्वच्छता अधिकारी मनीष श्रीवास क्षेत्र क्रमांक 02,06,07 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर को साफ व स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसी क्रम में सहायक स्वच्छता अधिकारी शरण कुमार के क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 15 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जगह जगह गंदगी व कचरे के ढेर पाये गए थे। वहीं सहायक स्वच्छता अधिकारी मनीष श्रीवास के क्षेत्रांतर्गत वार्ड 02 व 03 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति के सामने पागलखाना, पागलखाना चौराहा डॉ. दौहरे के पास जगह जगह गंदगी व कचरे के ढेर मिले थे। जिसके बाद निगमायुक्त ने दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

मेपकास्ट की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला में इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला द्वारा जून माह में ÷हेण्ड ऑन ट्रेनिंग ऑन स्पेक्ट्रॉसकॉपी मेथड (एएएस, यूवी एण्ड एफटीआईआर) विषय पर इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदसौर यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग के बी.फार्मा अंतिम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पेयजल गुणवत्ता परीक्षण की विधियों के साथ-साथ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटॉमिक अब्सॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा एफटीआईआर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और नवाचार की बारीकियों को समझा। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए राज्य लघु वनोपज, बरखेड़ा पठानी, भोपाल ले जाया गया। प्रशिक्षण के समापन पर परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने फार्मेसी क्षेत्र में उभरते आयामों पर प्रकाश डाला और आधुनिक तकनीकी से निरंतर जुड़े रहने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये।

नव-प्रवेशित छात्राओं का भारतीय परम्परानुसार हुआ स्वागत

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में 1 से 3 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। नव-प्रवेषित छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत, भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा से किया गया। इसके बाद प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित कर सभी संकायों के शैक्षणिक स्टॉफ का परिचय कराया और महाविद्यालय की सुविधाओं की जानकारी दी। दीक्षारंभ के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ एन.डी.आर.एफ. दल ने छात्राओं को आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के पुस्तकालय, स्वशासी प्रकोष्ठ, एन. सी. सी., एन.एस.एस तथा महाविद्यालयीन छात्रावास की जानकारी दी गई।

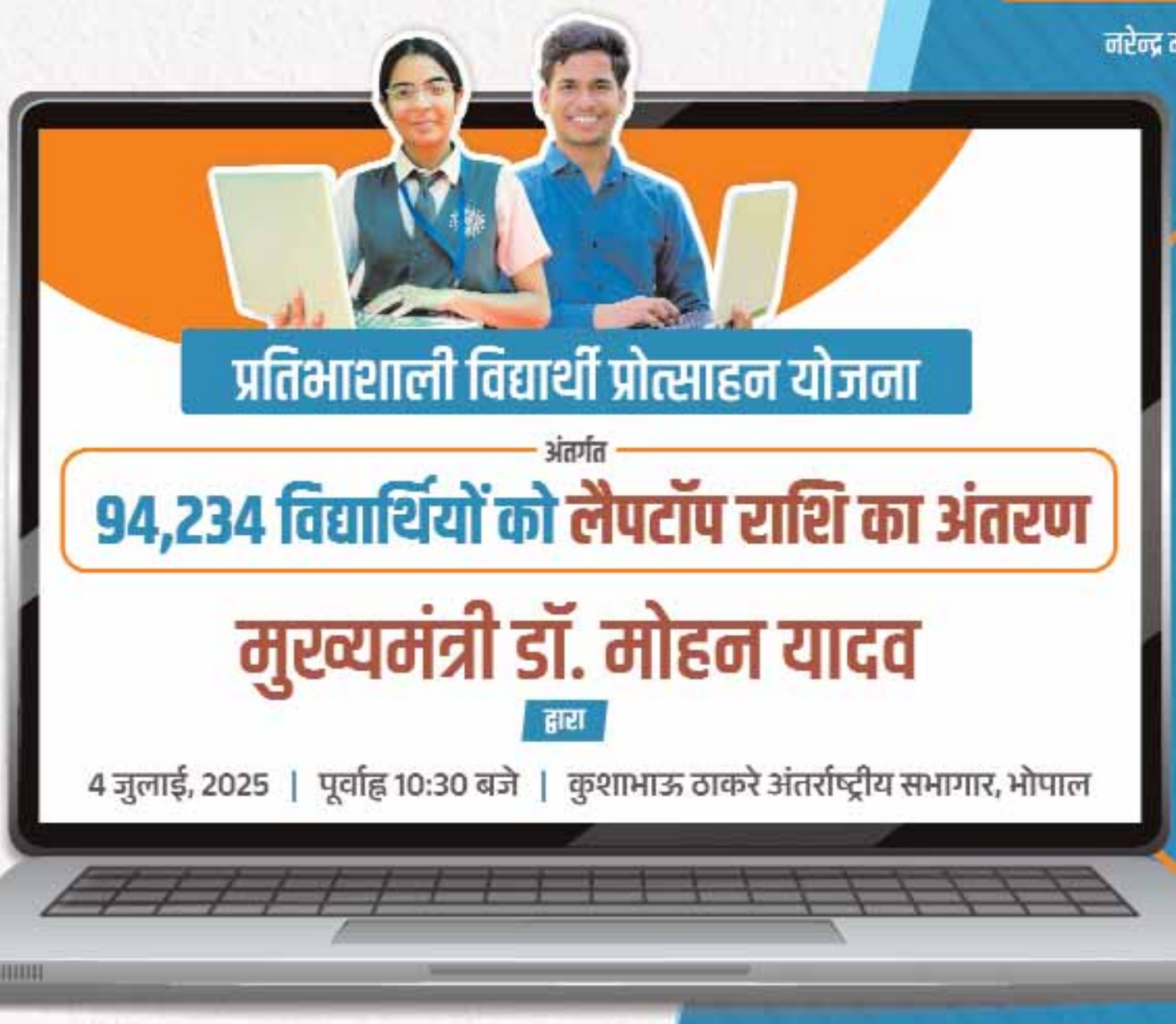

दीक्षारंभ के तीसरे दिन छात्राओं एवं अभिभावकों को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुये महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों का परिचय कराया गया। इसके बाद महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने महाविद्यालय में संचालित खेल-कूद, साहित्यिक, रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।